শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 08 | गुवाहाटी | रविवार, 4 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए समाधान ढूंढ रहा है : पीएम पेज 2
असम राइफल्स की जगह सीआरपीएफ लाना खतरनाक पेज 3
उपचुनाव 2027 के विधानसभा चुनाव का बनेगा आधार, पूरी मेहनत के साथ ... पेज 5
फुटबॉल में अर्जेंटीना को हराकर सेमीफानल में पहुंचा फ्रांस पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

### *जागीरोड में सेमीकंडक्टर प्लांट का हुआ भूमि पूजन*

# असम अगला वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक हब बनने को तैयार : सीएम

**गुवाहाटी ( एजे/हि.स. )।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और टाटा संस लिमिटेड के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शनिवार को सेमीकंडक्टर प्लांट का भूमि पूजन किया। यह प्लांट असम के मोरीगांव जिले के जगीरोड में 27,000 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। यह भारत का पहला स्वदेशी सेमीकंडक्टर निर्माण और परीक्षण प्लांट है। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम अगला वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक हब बनने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया के जरिए कहा कि मां कामाख्या, श्रीमंत शंकरदेव और लोगों के आशीर्वाद से उन्होंने आज टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के साथ जगीरोड में टाटा सेमीकंडक्टर सुविधा का भूमि पूजन किया। सीएम शर्मा ने कहा कि यह असम के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। असम के जगीरोड में सेमीकंडक्टर उद्योग स्थापित हो रहा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह उद्योग 18 महीने के भीतर पूरा हो जाएगा। उन्होंने इस पल के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। और कहा कि वे इसे भारत के किसी भी हिस्से में कर सकते थे, लेकिन उन्होंने असम को चुना है। यह असम राज्य के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। सीएम हिमंत शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि गर्व है! असम अगला वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक हब बनने के लिए तैयार है। 27,000 करोड़ रुपए की लागत वाले इस सेमीकंडक्टर प्लांट में 27,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यह एक विश्व स्तरीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को आकर्षित करेगा जो नए युग की तकनीक में वैश्विक नेता बनने के भारत के प्रयास को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के विजन और टाटा संस के चेयरमैन रतन टाटा के दृढ़ संकल्प के बिना यह -शेष पृष्ठ दो पर

## यूनिट में प्रतिदिन 4.83 करोड़ चिप का निर्माण होगा : वैष्णव

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज असम के मोरीगांव जिले के जागीर रोड क्षेत्र में अपनी चिप निर्माण और परीक्षण इकाई का भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि इस यूनिट में प्रतिदिन 4.83 करोड़ चिप्स का निर्माण होगा। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि 29 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के मोरीगांव में सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी दी थी। यह प्लांट टाटा की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी द्वारा लगाया जाना है। उस प्लांट का निर्माण आज शुरू हो गया है। असम -शेष पृष्ठ दो पर

## मुख्यमंत्री ने रिंग रोड परियोजना के लिए पीएम और गडकरी को धन्यवाद दिया

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने करोड़ों रुपए की गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि बहुत बढ़िया खबर। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5,729 करोड़ रुपए की गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना को मंजूरी दे दी है; असम इस परिवर्तनकारी प्रयास के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी और माननीय केंद्रीय मंत्री श्री @nitin_gadkari जी के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि 121 किलोमीटर लंबे रिंग रोड का सामरिक महत्व बहुत अधिक है और यह गुवाहाटी में भीड़भाड़ कम करने तथा सतत विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का उदाहरण है। शर्मा ने कहा कि जैसे-जैसे -शेष पृष्ठ दो पर

## सुप्रभात

*महान कार्य करने का एक ही तरीका है की आप जो भी कर रहे हो उसे प्यार करो। यदि आपको अबतक ऐसा काम नहीं मिला, तो ढूंढते रहो। न की एक ही जगह बैठे रहो।*

- स्टीव जॉब्स

## न्यूज गैलरी

### स्वतंत्रता दिवस पर न हो कोई चूक, खुफिया विभाग अलर्ट

**नई दिल्ली।** 15 अगस्त को लेकर एक दिल्ली में आज विशेष बैठक का आयोजन हुआ। इस बैठक में एनएसजी, एसपीजी, आईबी, सेना और दिल्ली पुलिस के बड़े अधिकारी शामिल थे। इस बैठक में वीवीआईपी की सुरक्षा को लेकर समीक्षा की गई। भारतीय सुरक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

### अमित शाह ने 9 से घरों में तिरंगा लहराने की अपील की

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देशवासियों से अपील की है कि वे *हर घर तिरंगा* अभियान के तहत आगामी 9 से 15 अगस्त तक अपने घरों में तिरंगा लहराकर https://harghartiranga.com वेबसाइट पर अपनी सेल्फी अपलोड करें। गृह मंत्री अमित शाह ने आज सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए गए एक पोस्ट में कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज -शेष पृष्ठ दो पर

## हमार के शीर्ष निकाय ने खारिज किया समझौता

### *24 घंटे पहले ही मैतेई के साथ बनी थी सहमति*

**इंफाल।** मणिपुर के जातीय हिंसा प्रभावित जिरीबाम जिले में शांति बहाल करने के लिए हमार और मैतेई समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच शुक्रवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। हालांकि, ठीक एक दिन बाद हमार समुदाय के शीर्ष निकाय ने इस समझौते को खारिज करते हुए कहा कि यह *अमान्य* है। अधिकारियों ने बताया कि जिरीबाम में शुक्रवार को गोलीबारी के बाद फिर से हिंसा की सूचना मिली है। मैतेई लोगों के गांव में खाली पड़े एक घर को आग में आग लगा दी गई। हमार समुदाय के शीर्ष निकाय *हमार इनपुई* ने दावा किया कि उससे जुड़ी इकाइयों ने संस्था के मुख्यालय की जानकारी के बिना समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसलिए निकाय ने अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

## पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए असम में छह नए ताज होटल खोले जाएंगे : सीएम

**गुवाहाटी।** असम में पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य भर में छह नए ताज होटल स्थापित करने की योजना की घोषणा की। राज्य सरकार इस प्रयास में टाटा समूह को पूरा समर्थन देगी, जिसमें मौजूदा गुवाहाटी विवांता को ताज होटल में अपग्रेड करना और जगीरोड में एक और ताज होटल जोड़ना शामिल है। माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर मुख्यमंत्री शर्मा ने खुलासा किया कि असम सरकार टाटा समूह के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। इस साझेदारी का उद्देश्य प्रसिद्ध वन्यजीव अभयारण्य काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में विश्व स्तरीय पर्यटक सुविधाएं शुरू करना है। शर्मा ने पोस्ट किया कि असम पर्यटन के लिए एक बड़ा दिन। हम काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में आने वाले आगंतुकों के लिए विश्व स्तरीय पर्यटक सुविधाएं लाने के लिए टाटा समूह के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। असम सरकार हर संभव मदद करेगी ताकि होटल रिकॉर्ड समय में बनकर तैयार हो जाए। मुख्यमंत्री ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए काजीरंगा में गुणवत्तापूर्ण आवास के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि आज काजीरंगा में लोग होटलों -शेष पृष्ठ दो पर

## हिमाचल प्रदेश में 114 सड़कें बंद सात को भारी बारिश का अलर्ट

**शिमला।** बादल फटने और भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण हिमाचल प्रदेश में 114 सड़कें बंद हो गई हैं, जबकि मौसम विभाग ने शनिवार को चेतावनी दी है कि राज्य में 7 अगस्त तक भारी बारिश जारी रहेगी। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, वाहनों के आवागमन के लिए बंद की गई सड़कों में से 36 मंडी में, 34 कुल्लू में, 27 शिमला में, आठ लाहौल और स्पीति में, सात कांगड़ा में और दो किन्नौर जिले में हैं। एक अधिकारी ने बताया कि हिमाचल -शेष पृष्ठ दो पर

## वायनाड : 30 मासूमों सहित 215 के शव बरामद, अभी भी अधर में 206 जानें

**तिरुवनंतपुरम।** वायनाड में भूस्खलन आपदा के बाद राहत एवं बचाव कार्य जारी है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के अनुसार अब भी 206 लोग लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। समाचार एजेंसी ने मुख्यमंत्री के हवाले से बताया कि आपदा प्रभावित वायनाड में खोज और बचाव अभियान अब अपने अंतिम चरण में है। पिनाराई विजयन ने शनिवार को मीडिया को बताया कि चालियार नदी से बरामद शवों और हिस्सों की पहचान करने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि अब तक, 215 शव बरामद किए गए हैं, जिनमें 87 महिलाएं, 98 पुरुष और 30 बच्चे हैं। अब तक 148 शव सौंपे जा चुके हैं। 206 लोग लापता हैं। 81 लोग घायल हैं और विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 67 शवों की पहचान अभी बाकी है और पंचायतें अंतिम संस्कार करेंगी। उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान जारी है, जिसमें अग्निशमन बल, एनडीआरएफ, वन विभाग, पुलिस, भारतीय सेना और तमिलनाडु के स्वयंसेवकों के 1,419 कर्मी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि के-9 दस्ते और तमिलनाडु मेडिकल टीम भी बचाव कार्य में जुटी हैं। साथ ही मानव बचाव रडार और ड्रोन-आधारित रडार जैसे उन्नत उपकरणों का भी उपयोग किया जा रहा है। विस्थापितों के पुनर्वास प्रयासों का जिक्र करते हुए विजयन ने कहा कि एक सुरक्षित क्षेत्र की पहचान की जाएगी और एक टाउनशिप का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य के शिक्षा मंत्री, क्षेत्र में नष्ट हुए स्कूलों का दौरा करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि बच्चों -शेष पृष्ठ दो पर

## झारखंड में बारिश से तबाही, नदी पर बना पुल बहा, रेड अलर्ट जारी

**रांची ( हि.स. )।** झारखंड में बंगाल की खाड़ी में उठे साइक्लोन के कारण शुक्रवार को भारी वर्षा के बाद शनिवार को हुई रुक-रुक कर बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। खेत और तालाब पानी से लबालब भर गए हैं। बारिश को देखते हुए शनिवार को सभी स्कूलों में छुट्टी रही। कई पुल-पुलिया ध्वस्त हो गए हैं। रांची के रातू थाना क्षेत्र के एनएच-75 स्थित मुरगू नदी पर बना डायवर्सन तेज पानी के बहाव में शुक्रवार की देर रात बह गया। इसके साथ रांची से मांडर सहित लोहरदगा, मेदिनीनगर व चतरा का मुख्य संपर्क टूट गया। हालांकि, -शेष पृष्ठ दो पर

### *नासा ने जारी किया खौफनाक वीडियो*

## भारत समेत पूरी दुनिया पर मंडरा रहे सीओ2 के बादल

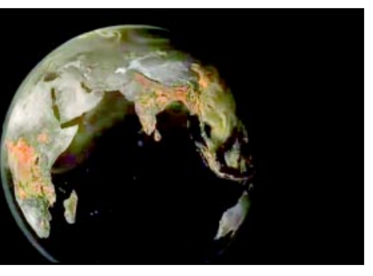

**नई दिल्ली।** ग्लोबल वार्मिंग की वजह से धरती का तापमान बढ़ता जा रहा है। ज्यादातर विकसित देश अधिक से अधिक मात्रा में कार्बन-डाइ-ऑक्साइड का उत्सर्जन कर रहे हैं। इसी बीच अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें पूरी दुनिया पर कार्बन-डाइ-ऑक्साइड (सीओ2) के बादल दिख रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि भारत समेत पूरी दुनिया में कार्बन-डाइ-ऑक्साइड के बादल छाए हुए हैं। यह मैप खास कंप्यूटर और मॉडल्स के जरिए बनाया गया है। वीडियो में दिख रहा है कि कैसे कार्बन-डाइ-ऑक्साइड हमारे वायुमंडल में घुल रहे हैं। नासा के साइंटिस्ट लेसली ओट के अनुसार, चीन अमेरिका और दक्षिण एशिया से सबसे ज्यादा कार्बन-डाइ-ऑक्साइड का उत्सर्जन हो रहा है। कार्बन-डाइ-ऑक्साइड का यह -शेष पृष्ठ दो पर

## लोग अदालतों के मामलों से *इतने तंग आ चुके हैं* कि समझौता चाहते हैं : सीजेआई

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को लोक अदातल के अंतिम दिन कहा कि लोग अदालतों के मामलों से *इतने तंग आ चुके* हैंकि वे समझौता चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लोक अदालतें ऐसे मंच हैं जहां अदालतों में या मुकदमेबाजी से पहले लंबित विवादों और मामलों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा या समझौता किया जाता है। पारस्परिक रूप से स्वीकृत समझौते के खिलाफ कोई अपील दायर नहीं की जा सकती। चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष लोक अदालत में कहा कि लोग इतना परेशान हो जाते हैं कि कोर्ट के मामलों से वे कोई भी समझौता चाहते हैं... बस कोर्ट से दूर करा दीजिए। यह प्रक्रिया ही सजा है और यह हम सभी न्यायाधीशों के लिए चिंता का विषय है। सीजेआई ने कहा कि उन्हें हर स्तर पर लोक अदालत की स्थापना में बार और बेंच सहित सभी से जबरदस्त समर्थन और सहयोग मिला। चंद्रचूड़ ने कहा कि जब लोक अदालत के लिए पैनल गठित किए गए थे, तो यह सुनिश्चित किया गया था कि प्रत्येक पैनल में दो न्यायाधीश और बार के दो सदस्य होंगे। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के पीछे उद्देश्य अधिवक्ताओं को संस्था -शेष पृष्ठ दो पर

## बांग्लादेश में फिर से विरोध-प्रदर्शन शुरू

**ढाका ( हि.स. )।** बांग्लादेश में आरक्षण के विरोध में शुक्रवार को एकबार फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। यह विरोध प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी सरकार के खिलाफ है। यह विरोध प्रदर्शन देशभर में बड़े पैमाने पर हिंसात्मक घटना बढ़ने और 200 से अधिक लोगों की मौत के बाद थमा था। फिर से शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन हाल की घटना में मारे गए लोगों के इंसाफ की मांग को लेकर किया जा रहा है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के विभिन्न हिस्सों में दो हजार से अधिक प्रदर्शनकारी एकत्र हुए, जिनमें से कुछ लोग *तानाशाह* -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa cÆurga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# भारत वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए समाधान ढूंढ रहा है : पीएम

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र (एनएएससी) परिसर में कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएई) का उद्घाटन करते हुए उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए समाधान ढूंढ रहा है। प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि कृषि अर्थशास्त्रियों का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएई) 65 वर्षों के बाद भारत में हो रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का क्षरण, बढ़ती उत्पादन लागत और संघर्ष जैसी वैश्विक चुनौतियों के मद्देनजर टिकाऊ कृषि की तत्काल आवश्यकता से निपटना है। सम्मेलन में लगभग 75 देशों के लगभग 1,000 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कृषि और खाद्यान्न के बारे में प्राचीन भारतीय मान्यताओं और अनुभवों की दीर्घायु पर जोर दिया। उन्होंने भारतीय कृषि परंपरा में विज्ञान और तर्क को दी गई प्राथमिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने खाद्यान्न के औषधीय गुणों के पीछे संपूर्ण विज्ञान के अस्तित्व का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों के उत्थान में योगदान दिया। भारत में कृषि नियोजन में सभी छह मौसमों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने 15 कृषि-जलवायु क्षेत्रों के विशिष्ट गुणों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश में लगभग सौ किलोमीटर की यात्रा करने पर कृषि उपज बदल जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चाहे वह भूमि पर खेती हो, हिमालय, रेगिस्तान, जल-विहीन क्षेत्र या तटीय क्षेत्र, यह विविधता वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है और भारत को दुनिया में आशा की किरण बनाती है। 65 साल पहले भारत में हुए कृषि अर्थशास्त्रियों के अंतिम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि उस समय भारत एक नया-नया स्वतंत्र राष्ट्र था, जिसने भारत की खाद्य सुरक्षा और कृषि के लिए यह चुनौतीपूर्ण समय बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत एक खाद्य अधिशेष देश है, दूध, दालों और मसालों का सबसे बड़ा उत्पादक है और खाद्यान्न, फल, सब्जियां, कपास, चीनी, चाय और खेती की गई मछली का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।

# भारत को 2047 तक विकसित बनाने में युवा पीढ़ी की अहम भूमिका होगी : रामनाथ कोविंद

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित बनाने में युवा पीढ़ी की अहम भूमिका होगी। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद आज जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजूकेशनल इंस्टीट्यूशंस द्वारा भारत मंडपम में आयोजित 5वें डॉ. राजाराम जयपुरिया स्मारक व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। कोविंद ने कहा कि हमारा देश अमृत काल के आरंभिक दौर से गुजर रहा है। वर्ष 2047 तक, जब हम स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मनाएंगे, तब तक भारत को विभिन्न आयामों पर विश्व के शीर्ष देशों में शामिल करना हमारा सामूहिक अभियान है। उन्होंने कहा कि यह युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। कोविंद ने व्याख्यान की थीम *नया युग, नई ऊंचाइयां* पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत को विश्व गुरु के रूप में पुनः स्थापित करने की दिशा में मार्ग संधान करना इस आयोजन का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से और लगातार वैश्विक नेता के रूप में अपना स्थान पुनः प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कोविंद ने शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के प्रति जयपुरिया समूह की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि नये युग का निर्माण और उन्नति के नये शिखरों तक पहुंचना विकसित भारत के निर्माण के हमारे राष्ट्रीय संकल्प से जुड़ा हुआ है। पूर्व राष्ट्रपति ने भारत की विश्व गुरु की कल्पना को स्पष्ट करते हुए कहा कि सही मायनों में विश्व गुरु उस देश को माना जाता है जिसे अन्य देश अनुकरणीय मानें तथा मार्गदर्शन और सहायता प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि आज हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हमारी ऐसी बहुत सारी उपलब्धियां हैं। इस संबंध में उन्होंने डिजिटल भुगतान, कोरोना रोधी वैक्सीन, महामारी के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में उछाल, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास भारत के अंतरिक्ष यान उतारने और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारतीय छात्रों की युद्धग्रस्त क्षेत्रों से सुरक्षित वापसी सहित तमाम उदाहरणों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दुनिया के कुल डिजिटल ट्रांजेक्शन में से 46 प्रतिशत भारत में होता है। विश्व के सभी विकसित देश हमारी इस उपलब्धि से आश्चर्यचकित हैं।

## तीताबर में करंट लगने से एक की मौत

**जोरहाट ( हिंस )।** तीताबर में करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान बोलो दास (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने आज बताया कि मृतक तीताबर के दफलाटिंग के न्यू कोकिला गांव का निवासी था। घर में सीलिंग फैन की मरम्मत के दौरान करंट लगने से उसकी मौत हुई। युवक की मौत से पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। तीताबर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जेएमसीएच भेज दिया है।

## हेरोइन समेत एक तस्कर गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के छयमाइल इलाके में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की टीम ने अभियान चलाकर भारी मात्रा में प्रतिबंधित हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ ने शनिवार को बताया कि दिसपुर थाना क्षेत्र इलाके के छयमाइल के पास जयानगर इलाके में चलाये गए अभियान के दौरान 23 प्लास्टिक की छोटी-छोटी सीसी में भरकर रखे गए 31 ग्राम हेरोइन समेत एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान स्टेपहिन मिलीसीक उर्फ निगैनी (26, डिमा हसाओ) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपी के पास से एसटीएफ ने ड्रग्स के अलावा एक मोबाइल फोन बरामद किया है। एसटीएफ गिरफ्तार आरोपी को बरामद की गई सामग्री समेत दिसपुर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

## आमगुड़ी में छात्र ने की आत्महत्या

**बाक्सा ( हिंस )।** बाक्सा जिले के आमगुड़ी में एक 19 वर्षीय छात्र ने आत्महत्या कर ली है। मृतक की पहचान आमगुड़ी के कृषांकु दास के रूप में हुई है। युवक पटाचारकुची के निर्मल हालोई कॉलेज का छात्र था। पुलिस ने आज बताया कि युवक की मां कल शाम खेत में काम करने गयी थी। घर में कोई नहीं था। इसी दौरान छात्र ने आत्महत्या कर ली। यह ज्ञात नहीं हो सका है कि छात्र ने आत्महत्या क्यों की। जालाह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय मुसलपुर के डॉ. रवि बोड़ो सिविल अस्पताल भेज दिया।

*No.BDB/WPT-16/2012-13/1475* *Dated 03/08/2024*

**SHORT NOTICE INVITING TENDER**

Sealed tender affixing a non-refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five) only with a validity period of 180 Days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed of F-2 form are invited from the registered Contractors of Class–II and Class–I(A,B,& C) category of Assam PWD(Roads & (Building) and BTC, according to their eligibility for submitting tenders for the following works under SOPD, WPT&BC fund for the Year 2023-24 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 12.00 Noon on **27/08/2024** and will be opened on the same date & place at 2.00 P.M.

| Sl. No. | Name of Works | Tender Amount (Approx) | Cost of Tender Paper | Time of Completion of Work |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Const. & Renavation work at Gwjwnphuri paark, Mushalpur under WPT&BC (SOPD) Fund for the year 2023-24 | 15,00,000/- | 500.00 | 6(six) Months from the date of issue of F.W.O. |
| 2 | Const. of Namghar of Krishnaguru Shiva Ashram of A. Block Nikashi under WPT&BC Tribal Affairs(P) during the year 2023-24. | 7,00,000/- | 500.00 | 6(six) Months from the date of issue of F.W.O. |

Detail N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from **06/08/2024 & 22/08/2024** in the office of the undersigned on payment in the form of Demand Draft/Banker's Cheque from any Nationalized Bank, duly pledged in favour of the B.D.O. Baska Development Block, payable at S.B.I. Mushalpur. The B.T.C. authority reserves the right of accepting of tender papers or outright rejection of the same without assigning any reason thereof.

Sd/- Block Development Officer
Baska Development Block, Mushalpur

*IPR(BTC)/C/2024-25/213*

# *पृष्ठ एक का शेष*

## *असम अगला वैश्विक ...*

संभव नहीं हो पाता। हमारी सरकार में उनके दृढ़ विश्वस के लिए हमारे लोगों को भी बधाई, जो हमें सपनों का पीछा करने, नए मानक स्थापित करने और लगातार बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल 13 मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इस प्लांट की आधारशिला रखी थी। वहीं, प्लांट का पहला चरण 2025 के मध्य तक चालू होने की उम्मीद है। सीएम शर्मा ने कहा कि आज भूमि पूजन के महज 18 महीने के भीतर उत्पादन इकाई प्रभावी हो जाएगी और यह चालू हो जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि यह असम पर्यटन के लिए भी बड़ा दिन है। उन्होंने आगे कहा कि यह विश्व स्तरीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को आकर्षित करेगा, जो नए युग की तकनीक में वैश्विक नेता बनने के भारत के प्रयास को बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता, टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन नवल टाटा के दृढ़ संकल्प, मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व वाली टीम एमईआईटीवाई के निरंतर समर्थन और टीम टाटा समूह की कड़ी मेहनत के बिना यह संभव नहीं हो पाता। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के प्रति लोगों का उत्साह और विश्वास करने वालों को भी बधाई, जो सपनों का पीछा करने, नए मानक स्थापित करने और निरंतर बेहतर प्रयास करने के लिए प्रेरित करती है। वह काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में आने वाले पर्यटकों के लिए विश्व स्तरीय पर्यटक सुविधाएं लाने के लिए टाटा समूह के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। मालूम हो कि आज के इस भूमि पूजन के अवसर पर टाटा संस के अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, असम सरकार के मंत्री पीयूष हजारिका के साथ ही कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

## *यूनिट में प्रतिदिन...*

के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा आज निर्माण स्थल पर मौजूद थे। उन्होंने कहा कि यह यूनिट 27,000 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित की जाएगी और इससे 15,000 प्रत्यक्ष और 11,000 से 13,000 अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होंगे। यह प्लांट बहुत बड़ा होगा। इसमें प्रतिदिन करीब 4.83 करोड़ चिप्स का निर्माण होगा। वैष्णव ने कहा कि इस प्लांट की खास बात यह है कि इस प्लांट में इस्तेमाल होने वाली तीनों प्रमुख तकनीकें भारत में विकसित की गई हैं। इस प्लांट में बनने वाले चिप्स का इस्तेमाल ई-वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन और व्यावहारिक रूप से हर बड़ी कंपनी संचार और नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर में इन चिप्स का इस्तेमाल करेगी।

## *मुख्यमंत्री ने रिंग रोड ...*

पूर्वोत्तर के *गेटवे सिटी* से आवागमन सरल होगा, इसका क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास पर गुणात्मक प्रभाव पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मेगा प्रोजेक्ट एक बार फिर एनडीए के लिए पूर्वोत्तर के अत्यधिक महत्व को रेखांकित करता है। हमारे लिए, 2014 तक इस तरह के पैमाने और दायरे वाली परियोजनाएं अकल्पनीय थीं। #मोदीकीगारंटी सिर्फ एक नारा नहीं है, यह विकसित असम के निर्माण के लिए अथक प्रयास का प्रमाण है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को 50,655 करोड़ रुपए की कुल लागत से 936 किलोमीटर लंबी आठ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हाई-स्पीड सड़क गलियारा परियोजनाओं को मंजूरी दी। इससे देशभर में रसद दक्षता में सुधार, भीड़भाड़ कम करने और संपर्क बढ़ाने में मदद मिलेगी।

## *हमार के शीर्ष निकाय ने ...*

जिरीबाम इकाई को भंग कर दिया है। इसने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि हमार इनपुई मुख्यालय 1 अगस्त, 2024 को असम के कछार में सीआरपीएफ सुविधा में कई गई शांति पहल के बारे में जानकर हैरान है। इस तरह की पहली पहल 1 जुलाई को सिलचर में की गई थी। हमार इनपुई समझौता करने वाले नेताओं की निंदा करता और बिना सूचना के सहमति के प्रयासों को खारिज करता है। बयान में कहा आगे कहा गया कि हमार इनपुई/जिरीबाम क्षेत्र, हमार नेशनल यूनियन (एचएनयू) के सदस्यों र कई व्यक्तियों ने हमार इनपुई के प्रस्ताव का अनादर करते हुए एक विभाजनकारी और सांप्रदायिक राज्य सरकार की इच्छा के आगे झुकना जारी रखा हुआ है। इसने आगे कहा, हमार इनपुई जिरीबाम जिले के मैतेई और हमार के प्रतिनिधियों के बीच 1 अगस्त 2024 को बनी सहमति को अमान्य घोषित करता है। हमार इनपुई अपने जिरीबाम क्षेत्र की इकाई और इससे जुड़े संगठनों (एचवाईए, एचएसए, एचएएनयू, एचडब्ल्यूए) का जिरीबाम अधिकार क्षेत्र भंग करता है। निकाय ने इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले व्यक्तियों को भी चेतावनी दी कि वे अपने निजी स्वार्थी प्रयासों को रोकें और किसी भी तरह से हमार समुदाय का प्रतिनिधित्व न करें। यदि वे ऐसे प्रयासों को जारी रखना चाहते हैं, तो वे अपने जोखिम पर ऐसा करें। असम के कछार से सटे सीआरपीएफ केंद्र में गुरुवार को आयोजित एक बैठक में मैतेई और हमार समुदायों के प्रतिनिधियों के बीच सहमति बनी थी। इस बैठक का संचालन जिरीबाम जिला प्रशासन, असम राइफल्स और सीआरपीएफ के जवानों ने किया। बैठक में जिले के थडौ, पायते और मिजो समाज के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

## *पर्यटन को बढ़ावा...*

की कमी के कारण ज्यादा नहीं रुकते। ताज होटल के साथ, पर्यटक ज्यादा दिनों तक रुक सकते हैं, जिससे असम में पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा। यह घोषणा एक अन्य प्रमुख घटनाक्रम के साथ हुई है – मोरीगांव में टाटा के सेमीकंडक्टर प्लांट के लिए भूमिपूजन समारोह। 2025 तक पूरा होने वाला यह प्लांट असम के सेमीकंडक्टर उद्योग में प्रवेश का प्रतीक है और राज्य की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देने का वादा करता है। शर्मा ने असम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए टाटा समूह के प्रति आभार व्यक्त किया, कश्मीर से कन्याकुमारी तक उनकी देशव्यापी उपस्थिति को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि असम में सेमीकंडक्टर उद्योग इतिहास में पहली बार है। टाटा समूह के लिए यहां प्लांट चुनना अनिवार्य नहीं था, लेकिन उन्होंने इसे यहां करने का फैसला किया। असम के विकास के लिए यह बहुत बड़ी खबर है। यह सहयोग काजीरंगा से आगे तक फैला हुआ है। गुवाहाटी में, टाटा की आतिथ्य श्रृंखला जिंजर होटल से शुरू हुई, उसके बाद विवांता, जिसे अब ताज होटल में विकसित किया जाएगा। शर्मा ने आश्वासन दिया कि हमारा पर्यटन विभाग इन परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए टाटा समूह के संपर्क में रहेगा। हिमंत विश्व शर्मा ने इन विकासों के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गर्व है! असम अगला वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक हब बनने के लिए तैयार है। उन्होंने टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के साथ जगीरोड में टाटा सेमीकंडक्टर सुविधा के भूमि पूजन का जश्न मनाया। 27,000 करोड़ रुपए के इस प्लांट से 27,000 से अधिक नौकरियां पैदा होने और विश्व स्तरीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। शर्मा ने कहा कि यह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन, टाटा संस के मानद चेयरमैन श्री रतन टाटा जी के दृढ़ संकल्प और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग के बिना संभव नहीं होता।

## *हिमाचल प्रदेश में ...*

सड़क परिवहन निगम ने 82 मार्गों पर अपनी बस सेवाएं निलंबित कर दी हैं। राज्य के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश जारी रही, शुक्रवार शाम से जोगिंदरनगर में सबसे अधिक 85 मिमी बारिश हुई, इसके बाद गोहर में 80 मिमी, शिलारू में 76.4 मिमी, पोंटा साहिब में 67.2 मिमी, पालमपुर में 57.2 मिमी, धर्मशाला में 56.2 मिमी और चौपाल में 52 मिमी बारिश हुई। स्थानीय मौसम कार्यालय ने 7 अगस्त तक भारी बारिश के लिए *येलो* अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने कहा कि 27 जून से 1 अगस्त के बीच बारिश से संबंधित घटनाओं में 77 लोगों की जान चली गई और 655 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। कुल्लू के निरमंड, सैंज और मलाणा में बादल फटने की एक श्रृंखला से आई बाढ़, मंडी के पधर और शिमला के रामपुर उपखंड में 31 जुलाई की रात को कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। बादल फटने के बाद लापता हुए 45 लोगों की तलाश शनिवार सुबह फिर शुरू हो गई, जिसमें सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, हिमाचल प्रदेश पुलिस और होमगार्ड के 410 बचावकर्मी ड्रोन की मदद से तलाश में जुटे हैं। शिमला के एसपी संजीव कुमार गांधी ने कहा कि बचाव अभियान जारी है... टीमों को अलग-अलग स्थानों पर तैनात किया गया है... बचाव और पुनर्प्राप्ति अभियान 85 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में चलाया जा रहा है। भौगोलिक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हैं क्योंकि कुछ स्थान काफी दुर्गम हैं... ड्रोन और दूरबीन का इस्तेमाल किया जा रहा है... 36-40 लोग लापता हैं।

## *वायनाड : 30 मासूमों सहित ...*

की पढ़ाई बाधित न हो। विजयन ने कहा कि चूरलमाला में 866 पुलिस अधिकारी तलाशी अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अग्निशमन और बचाव सेवाओं ने स्वयंसेवकों के साथ एक जिप लाइन पुल और एक अस्थायी पुल का उपयोग करके लगभग 1,000 लोगों को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यूरालुंगल लेबर कॉन्ट्रैक्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी ने हेलीपैड का निर्माण और भोजन प्रदान करके महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वैश्विक समुदाय ने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) में योगदान की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दान विभिन्न तरीकों से सीएमडीआरएफ को ऑनलाइन किया जा सकता है, जिसकी रसीदें डाउनलोड के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि, दुरुपयोग को रोकने के लिए यूपीआई लेनदेन के क्यूआर कोड प्रणाली को वापस ले लिया गया है। राज्य सरकार ने पुनर्वास प्रक्रिया के हिस्से के रूप में जमीन उपलब्ध कराने और घर बनाने के लिए वैश्विक समुदाय से विभिन्न प्रस्तावों के समन्वय के लिए *हेल्प फॉर वायनाड सेल* का गठन किया है। संयुक्त भूमि राजस्व आयुक्त ए गीता प्रस्तावों का समन्वय करेंगी और सेल का नेतृत्व करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दान संबंधित संचार के लिए एक ईमेल आईडी (helpforwayanad-@kerala.gov.in) और समर्पित फोन नंबर (9188940013, 9188940014, 9188940015) के साथ एक कॉल सेंटर बनाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मंगलवार को कोझिकोड जिले के वडकारा के पास विलनगाड में कई भूस्खलन हुए।

## *झारखंड में बारिश से ...*

जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। राजधानी रांची, धनबाद, जमशेदपुर, गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, हजारीबाग, रामगढ़, चतरा, कोडरमा और खूंटी में सुबह से देर शाम तक बारिश हुई। शहरों में सड़कों पर जलभराव से लोगों का चलना दुश्वार हो गया। बारिश ने शहरों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। निचले स्थानों पर घरों में पानी घुस गया है। बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड में करोड़ों की लागत से बोकारो नदी पर बना पुल शनिवार सुबह बह गया। इस दौरान एक ग्रामीण के भी बह जाने की सूचना है। मुखिया ने बताया कि गोमिया प्रखंड में लगातार 24 घंटे से मूसलाधार बारिश हो रही है। बोकारो नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नदी की तेज धार में पुल का एक हिस्सा टूटकर बह गया। बोकारो जिले के गोमिया और पेटरवार पथ को जोड़ने वाले इस पुल के बह जाने की वजह से आवागमन पूरी तरह से ठप है। नदी उफनाई हुई है। इस वजह से पेटरवार और हजारीबाग के बीच आवागमन ठप हो गया है। राजधानी रांची जाने वाली एक भी बस शनिवार को बोकारो से नहीं चली। रांची के निचले हिस्से में बाढ़ जैसे हालात हैं। सैकड़ों घरों में पानी घुस गया है। पानी में फंसे लोगों को रेस्क्यू करने के लिए एनडीआरएफ की टीम को लगाया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि आज (तीन अगस्त) सभी सरकारी और निजी विद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है। बारिश से तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। रांची के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शनिवार को बताया कि उत्तरी झारखंड और उसके आसपास के इलाकों में बना दबाव पिछले छह घंटों के दौरान पांच किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पश्चिम की ओर बढ़ा। शनिवार सुबह तीन बजे से साढ़े पांच बजे तक यह 24.2 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 84.6 डिग्री पूर्वी देशांतर के पास उसी क्षेत्र में केंद्रित रहा, जो गया (बिहार) से लगभग 70 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम और डाल्टनगंज (झारखंड) से 60 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व में है। अगले 48 घंटों के दौरान यह उत्तर-पश्चिम झारखंड, दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे सटे उत्तरी छत्तीसगढ़ में पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ सकता है। रामगढ़ जिले में पिछले 48 घंटे से लगातार बारिश हो रही है, जिसकी वजह से नदियों में बाढ़ आ गई है। दामोदर और भैरवी नदी का जलस्तर बढ़ गया है। भैरवी नदी में बाढ़ आने की वजह से रजरप्पा मां छिन्नमस्तिका के मंदिर में भी पानी घुस गया है। वहां श्रद्धालुओं के लिए मुख्य द्वार को बंद कर दिया गया है। दूसरे द्वारा से श्रद्धालुओं को प्रवेश कराया जा रहा है। भैरवी नदी का पानी बली स्थल तक पहुंच गया है। साथ ही अन्य रास्तों में भी पानी घुस गया है, जिसकी वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। रजरप्पा मंदिर के मुख्य द्वार के पास सैकड़ों दुकानों में पानी घुस जाने की वजह से भारी नुकसान हुआ है। रामगढ़ जिला प्रशासन और मंदिर न्यास समिति के लोगों ने श्रद्धालुओं को अलर्ट रहने की हिदायत दी है। साथ ही नदी में स्नान करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंदिर कमेटी के सदस्यों का कहना है कि अभी बाढ़ आई हुई है, जिसकी वजह से जान-माल की क्षति होने की संभावना है। श्रद्धालु अभी नदी में नहाने के लिए घुसते हैं तो उन्हें खतरा हो सकता है। रामगढ़ में भी जिला प्रशासन ने दामोदर नदी के किनारे रहने वाले लोगों को हाई अलर्ट किया है। यहां तक कि पशुपालकों को भी नदी के किनारे नहीं जाने की हिदायत दी है। पिछले 72 घंटे से हो रही बारिश से कोयल एवं अमानत नदी में बाढ़ आ गई है।

## *भारत समेत पूरी...*

मैप जीईओएस नामक मॉडल का उपयोग करके बनाया गया, जो गोडार्ड अर्थ ऑब्जर्विंग सिस्टम का संक्षिप्त रूप है। जीईओएस एक हाई-रिजॉल्यूशन वाला मौसम पुनर्विश्लेषण मॉडल है, जो सुपरकंप्यूटर के जरिए ऑपरेट किया जाता है। इस सिस्टम के जरिए वायुमंडल की गतिविधियों पर नजर रखा जाता है। अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में ज्यादातर कार्बन-डाइ-ऑक्साइड का उत्सर्जन जंगल की आग से फैल रहा है। वहीं, तेल और कोयले के जलने की वजह से भी कार्बन डाईऑक्साइड निकल रहा है। नासा की रिपोर्ट के मुताबिक, मई 2024 में वायुमंडल में कुछ जगहों पर कार्बन-डाइ-ऑक्साइड की मात्रा 427 पार्ट्स प्रति मिलियन दर्ज की गई है। गौरतलब है कि कार्बन धरती पर इंसानों के लिए एक महत्वपूर्ण तत्व है। कार्बन जीवन का मूल निर्माण खंड है और जीवित जीवों के शरीर को बनाने में मदद करता है। कुछ मात्रा में धरती पर कार्बन की जरूरत है, लेकिन बड़ी मात्रा में कार्बन-डाइ-ऑक्साइड के उत्सर्जन से धरती पर गर्मी बढ़ती जाएगी, जिससे ग्लोबल वार्मिंग का खतरा और बढ़ता जाएगा।

## *लोग अदालतों के ...*

पर स्वामित्व देना था क्योंकि यह ऐसी संस्था नहीं है जो केवल न्यायाधीशों द्वारा चलाई जाती है, और यह न्यायाधीशों की, न्यायाधीशों के लिए, न्यायाधीशों द्वारा संस्था नहीं है। सीजेआई ने कहा कि हम एक-दूसरे से बहुत कुछ सीखते हैं। हमने अधिवक्ताओं से सीखा कि छोटे-छोटे प्रक्रियात्मक मुद्दों पर उनका कितना नियंत्रण है। चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्हें वास्तव में लगता है कि सुप्रीम कोर्ट भले ही दिल्ली में स्थित हो, लेकिन यह दिल्ली का सुप्रीम कोर्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि यह भारत का सुप्रीम कोर्ट है। उन्होंने कहा कि जब से मैंने सीजेआई का पद संभाला है, हमने रजिस्ट्री में पूरे देश से अधिकारियों को लाने का प्रयास किया है। वे बहुत अधिक समावेश और विविधता लाते हैं। सीजेआई ने कहा कि विशेष लोक अदालत की शुरुआत सात बेंचों से हुई थी, क्योंकि हमें संदेह था कि हम सफल होंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि गुरुवार तक हमारे पास 13 बेंच थीं और बहुत काम था। चंद्रचूड़ ने कहा कि लोक अदालत का उद्देश्य लोगों के घरों तक न्याय पहुंचाना और लोगों को यह सुनिश्चित करना है कि हम उनके जीवन में निरंतर मौजूद हैं। सुप्रीम कोर्ट के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक सप्ताह तक चलने वाली विशेष लोक अदालत की शुरुआत उचित लंबित मामलों के सौहार्दपूर्ण समाधान की सुविधा के उद्देश्य से हुई, जिसमें *समाधान के तत्व* हैं। शीर्ष अदालत ने लंबित मामलों की संख्या कम करने के प्रयास में 3 अगस्त तक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि भारत सरकार के एक बहुत वरिष्ठ सचिव और पूर्व सिविल अधिकारी ने कहा कि उन्हें कभी नहीं पता था कि सुप्रीम कोर्ट ऐसे मामलों से निपटता है छोटे-मोटे मामले इसलिए क्योंकि हम सुप्रीम कोर्ट को बड़े-बड़े मामलों से निपटते हुए देखने के आदी हो चुके हैं, जिनकी खबर हर सुबह अखबारों के पहले पन्ने पर छपती है। सीजेआई ने कहा कि बहुत से लोगों को यह बात समझ में नहीं आती कि सुप्रीम कोर्ट में हम किस तरह का छोटा-मोटा काम करते हैं। बहुत से लोग मुझसे पूछते हैं कि सुप्रीम कोर्ट को ऐसे छोटे-मोटे मामलों से क्यों निपटना पड़ता है। मैं हमेशा यह कहकर जवाब देता हूं कि जब बीआर अंबेडकर जैसे दिग्गजों ने संविधान बनाया था, तो उन्होंने इसे एक मिशन के साथ किया था, उन्होंने संविधान में अनुच्छेद 136 को इस उद्देश्य से पेश किया था कि यह एक ऐसा न्यायालय है जो एक गरीब समाज में स्थापित किया जा रहा है, जहां न्याय तक पहुंच का अभाव है। लोक अदालतें न्यायिक प्रणाली का एक अनिवार्य हिस्सा हैं, जो सौहार्दपूर्ण समझौतों को बढ़ावा देने और उन्हें गति देने के लिए वैकल्पिक विवाद समाधान की सुविधा प्रदान करती हैं। वैवाहिक और संपत्ति विवाद, मोटर दुर्घटना दावे, भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, सेवा और श्रम से संबंधित मामले जो सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित हैं, उनमें समझौते के तत्व शामिल हैं, जिन्हें शीघ्र निपटान की सुविधा के लिए लिया जाएगा। सीजेआई ने यह भी कहा कि इस संस्था की स्थापना के पीछे का विचार यह सुनिश्चित करना था कि यह आम नागरिकों के जीवन तक पहुंचने वाली अदालत होगी और इसलिए *न्याय सबके द्वार*। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि लोक अदालत का उद्देश्य लोगों के घरों तक न्याय पहुंचाना और यह सुनिश्चित करना है कि हम उनके जीवन में निरंतर मौजूद रहें। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित मामलों के बैकलॉग को कम करने के उद्देश्य से, शीर्ष अदालत ने 29 जुलाई को अपनी पांच दिवसीय विशेष लोक अदालत शुरू की है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने नागरिकों से, जिनके पास सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित मामले हैं, अपने विवादों को सौहार्दपूर्ण और तेजी से हल करने के लिए विशेष लोक अदालत में भाग लेने का आग्रह किया था।

## *बांग्लादेश में फिर से ...*

*मुर्दाबाद* और पीड़ितों के लिए इंसाफ के नारे लगा रहे थे, जबकि पुलिस अधिकारी उनके चारों ओर घेरा बनाकर खड़े थे। ढाका के उत्तरा इलाके में पुलिस और दर्जनों छात्रों के बीच झड़प हुई, जबकि सुरक्षा अधिकारियों ने पत्थरबाजी कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड दागे। प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार पिछले महीने से छात्रों के प्रदर्शनों का सामना कर रही है और फिलहाल इन प्रदर्शनों के मंद पड़ने का कोई संकेत नहीं है। इससे पहले 15 जुलाई को हिंसा भड़कने के बाद से, शेख हसीना के लिए विरोध-प्रदर्शन बड़ा संकट बन गया है। हिंसक प्रदर्शनों से निपटने के लिए अधिकारियों ने इंटरनेट बंद कर दिया है और देखते ही गोली मारने का आदेश देते हुए कर्फ्यू लगा दिया है। स्कूल और विश्वविद्यालय बंद हैं।

## *स्वतंत्रता दिवस पर ...*

एजेंसियों के मुताबिक, आतंकी हमले जैसी घटनाओं से निपटने के लिए पुलिसबल की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में पीएम मोदी की सुरक्षा को लेकर भी चर्चा हुई। इस मामले पर खुफिया विभाग उससे जुड़े सम्बंधित विभागों, सुरक्षा यूनिट्स, तमाम फोर्स से जानकारी मांगी गई है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी से मिलने वाले लोगों पर नजर रखी जा रही है।

## *अमित शाह ने 9 से ...*

तिरंगा त्याग, निष्ठा व शांति का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान आजादी के नायकों को याद करने, राष्ट्रप्रथम का संकल्प लेने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर यह अभियान बीते 2 वर्षों से जन-जन का अभियान बन गया है। आगामी 9 से 15 अगस्त तक आप भी अपने घरों में तिरंगा लहराकर https://harghartiranga.com पर अपनी सेल्फी अपलोड करें।

# असम राइफल्स की जगह सीआरपीएफ लाना खतरनाक

## मणिपुर के कुकी-जो विधायकों ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

**इंफाल।** प्रधान मंत्री को लिखे अपने पत्र में, विधायकों ने चिंता व्यक्त की कि असम राइफल्स, जिन्हें स्थानीय इलाके और लोगों की गहरी समझ है, को हटाने से हिंसा बढ़ सकती है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से एक अपील में, मणिपुर के दस कुकी-जो विधायकों ने यह सुनिश्चित करने के लिए उनके हस्तक्षेप की मांग की है कि असम राइफल्स (एआर) केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा प्रतिस्थापित किए जाने के बजाय राज्य में संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करना जारी रखे। यह अपील उन रिपोर्टों के मद्देनजर आई है जिसमें असम राइफल्स की दो बटालियनों को सीआरपीएफ इकाइयों से बदलने का सुझाव दिया गया है। प्रधान मंत्री को लिखे अपने पत्र में, विधायकों ने चिंता व्यक्त की कि असम राइफल्स, जिन्हें स्थानीय इलाके और लोगों की गहरी समझ है, को हटाने से हिंसा बढ़ सकती है। विधायकों ने असम राइफल्स को एक *तटस्थ बल* के रूप में वर्णित किया और प्रस्तावित प्रतिस्थापन को *भयानक डिजाइन* के रूप में आलोचना की। विधायकों ने अपने ज्ञापन में कहा कि हमें पता चला है कि एआर की 9वीं और 22वीं बटालियन को कांगवई और कांगपोकपी में उनकी मौजूदा संवेदनशील तैनाती से हटाने की योजना है। उन्होंने आगे कहा कि इस महत्वपूर्ण समय में उपरोक्त एआर बटालियनों को सीआरपीएफ से बदलने का यह अच्छा निर्णय एक भयावह डिजाइन के अलावा और कुछ नहीं है। प्रधान मंत्री के हस्तक्षेप का आह्वान मीडिया रिपोर्टों के बाद किया गया है जिसमें संकेत दिया गया है कि बड़ी संख्या में असम राइफल्स के सैनिकों को मणिपुर से जम्मू ले जाया जाएगा। ज्ञापन में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में असम राइफल्स द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया, जिसमें कहा गया कि उनकी निष्पक्ष सेवा क्षेत्र में हिंसा को बढ़ने से रोकने में सहायक रही है।

# हरियाणा के मुख्यमंत्री ने लिया मां कामाख्या से आशीर्वाद

*हरियाणा के मुख्यमंत्री अपनी पत्नी के साथ मां कामाख्या मंदिर दर्शन कर पूजा-अर्चना करते।*

**फोटो : दशरथ डेका**

**गुवाहाटी (हिंस)।** दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज मां कामाख्या का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री सैनी बीती रात को ही गुवाहाटी पहुंचे थे। इज सुबह बरसात के बीच ही वे नीलाचल पहाड़ पर स्थित विश्व विश्वविख्यात शक्तिपीठ कामाख्या धाम में पहुंचकर मां का आशीर्वाद लेते हुए विशेष पूजा अर्चना की। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व में असम धीरे-धीरे उन्नति और विकास की ओर बढ़ते जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री की जमकर प्रशंसा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि विश्व विख्यात शक्तिपीठ कामाख्या धाम में लाखों की संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन यहां आते हैं और मां का आशीर्वाद लेते हैं। वे भी बहुत सौभाग्यशाली है कि उन्होंने मां का आशीर्वाद लिया है। अपने राज्य हरियाणा की जनता तथा राज्य के विकास के लिए उन्होंने मां से प्रार्थना की। उनके साथ उनकी पत्नी और हरियाणा भाजपा के सांगठनिक सचिव फणींद्र नाथ शर्मा उपास्थित थे।

# नटराजन चंद्रशेखरन ने किया मां कामाख्या का दर्शन

**गुवाहाटी (हिंस)।** गुवाहाटी के नीलाचल पहाड़ पर स्थित विश्व विख्यात शक्तिपीठ कामाख्या धाम में टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखर ने शनिवार को मां कामाख्या की विशेष पूजा-अर्चना कर आशीष लिया। नटराजन जागीरोड स्थित टाटा सेमीकंडक्टर परियोजना के भूमि पूजन के अवसर पर असम दौरे पर आए थे। नटराजन चंद्रशेखर ने जागीरोड जाने से पहले ही मां कामाख्या की पूजा अर्चना कर आशीष लिए।। उनके साथ असम सरकार के मंत्री जयंत मल्लबरुवा, असम पर्यटन निगम के अध्यक्ष पद्मपाणि बोरा उपस्थित थे।

# प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ दो भाई गिरफ्तार

**धुबड़ी (हिंस)।** धुबड़ी जिले के गौरीपुर बालाजन में भारी मात्रा में कफ सिरप के साथ दो तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि गौरीपुर और बालाजन में पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 17 पर पश्चिम बंगाल से गौरीपुर आ रहे एक वाहन पर छापा मारा और छह सौ से अधिक प्रतिबंधित कफ सिरप जब्त किया। पुलिस ने सिरप ला रहे दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार बंधुओं की पहचान बंगाईगांव जिले के खिलापारा गांव के मोनिरुल हक और जैनुद्दीन शेख के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# ओडिशा एफसी ने बीएसएफ एफटी पर जीत के साथ की अपने अभियान की शुरुआत

**कोकराझाड़ (हिंस)।** ओडिशा एफसी (ओएफसी) ने 133वें इंडियन ऑयल डूरंड कप में अपने अभियान की शुरुआत यहां साई स्टेडियम में खेले गए ग्रुप ई मुकाबले में बीएसएफ फुटबॉल टीम (बीएसएफ एफटी) पर 5-0 की शानदार जीत के साथ की। मोइरंगथेम गिवसन सिंह के दोहरे गोल और राहुल मुखी, अशंगबाम अपोबा सिंह और रोशन पन्ना के दूसरे हाफ में किए गए गोलों ने ओडिशा को आसान जीत दिलाई, क्योंकि वे गोल अंतर के आधार पर नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड एफसी पर ग्रुप स्टैंडिंग में शीर्ष पर पहुंच गए।

# ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

**धुबड़ी (हिंस)।** गोलकगंज में ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आज बताया कि गोलकगंज के नंदनीरपारा रेलवे गेट के पास सीआरपीएफ की 48वीं बटालियन और गोलकगंज पुलिस की छापेमारी में तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान उत्तर रायपुर प्रथम खंड गांव के इलियास रहमान के रूप में हुई है। इलियास रहमान पर लंबे समय से ड्रग्स कारोबार में शामिल होने का आरोप है। तस्कर के पास से 100 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। गोलकगंज

# सेमीकंडक्टर परियोजना से उद्योग और रोजगार को मिलेगा नया आयाम : भाजपा

**गुवाहाटी (हिंस)।** प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि टाटा सेमीकंडक्टर परियोजना का आज जागीरोड में भूमि पूजन किया गया। इस परियोजना ने असम के आर्थिक क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आएगा। प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन की मौजूदगी में भूमि पूजन से असम की तकनीक के क्षेत्र को एक नया आयाम मिला है। उन्होंने कहा कि सत्ताईस हजार करोड़ रुपए की इस परियोजना और इस पर निर्मित होने वाली औद्योगिक इकाई से क्षेत्र का विकास होगा। प्रदेश भाजपा का मानना है कि इससे राज्य का आर्थिक आधार भी मजबूत होगा।

# 34.60 करोड़ की लागत से फकीराग्राम स्टेशन का पुनर्विकास

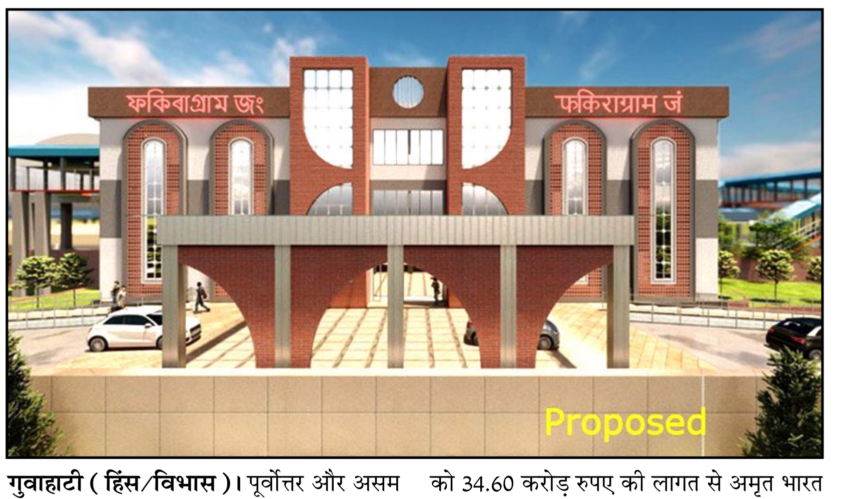

**गुवाहाटी (हिंस/विभास)।** पूर्वोत्तर और असम में रेल सुविधाओं को और अधिक बढ़ाने के क्रम में रेलवे में बुनियादी संरचना वाली परियोजनाओं के लिए अंतरिम बजट 2024-25 में 10,369 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत पूर्वोत्तर में 60 स्टेशनों को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ पुनर्विकसित किया जा रहा है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया कि चयनित रेलवे स्टेशनों में असम के फकीराग्राम रेलवे स्टेशन को 34.60 करोड़ रुपए की लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नया स्वरूप मिलेगा। इस स्टेशन के नवीनीकरण से आसपास के क्षेत्रों के रेल उपयोगकर्ताओं को नवीन अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। असम के कोकराझाड़ जिले का फकीराग्राम रेलवे स्टेशन एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। यह स्टेशन पूसी रेलवे के अलीपुरद्वार मंडल के अधीन न्यू जलपाईगुड़ी-न्यू बंगाईगांव सेक्शन पर स्थित है। उन्नत अग्रभाग के साथ इस मौजूदा स्टेशन भवन का विस्तार किया जाएगा, जिसमें यात्रियों की सुविधा के लिए नवीनतम् सुख-सुविधाओं के साथ रिटायरिंग रूम एवं प्रतीक्षालय की व्यवस्था रहेगी। दिव्यांगजन अनुकूल रैंप एवं शौचालय की सुविधा के साथ अन्य आधुनिक सुविधाएं जैसे लिफ्ट और 5 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। नए शौचालय ब्लॉक पुरुष और महिला यात्रियों के लिए अलग-अलग बनाए जाएंगे। सर्कुलेटिंग क्षेत्र के सौंदर्यीकरण के साथ उन्नत पार्किंग सुविधा की भी योजना है। सभी प्लेटफार्मों पर यात्रियों की आसान आवाजाही के लिए मार्बल स्टोन, टाइल आदि से सतह का पुनर्निर्माण किया जाएगा और शेल्टर की सुविधा रहेगी। प्रवेश निकास पथ विकसित किया जाएगा, जो यात्रियों के लिए बेहतर पहुंच प्रदान करेगा। उपरोक्त सभी कार्यों के लिए टेंडर का आवंटन हो चुका है। नए स्टेशन भवन के लिए नींव का कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। अन्य यात्री सुविधाओं जैसे कोच गाइडेंस बोर्ड, ट्रेन सूचना डिस्प्ले सिस्टम की स्थापना, प्लेटफार्मों का विस्तार, दिव्यांगजनों के लिए आसान पहुंच वाले वॉटर बूथ की व्यवस्था आदि का भी कार्य प्रगति पर है। इस स्टेशन के विकास से रोजगार, व्यवसाय जैसे अवसरों के नए मार्ग खुलेंगे और शहर एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों के लिए यात्रा में आसानी होगी तथा पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा।

# रंगिया में छात्र संघ का विशेष प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

**रंगिया (विभास)।** अखिल असम कामरूप जिला छात्र संस्था द्वारा तथा रंगिया आंचलिक छात्र संस्था के सहयोग से असम सरकार की नियुक्ति परीक्षा के लिए आज से एक विशेष प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। रंगिया के ऐतिहासिक हरदत्त-बीरदत्त भवन प्रांगण में अखिल कामरूप जिला छात्र संस्था के अध्यक्ष नवज्योति दास की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन संस्था के कार्यालय सचिव भ्वज्योति डेका ने किया तथा इस मौके पर जिला छात्र संस्था के महासचिव तौफिकुर रहमान ने व्याख्यान दिया। इसके अलावा रंगिया के महकमधिपति देवाशीष गोस्वामी ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित होकर भाषण प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान आसू के सांगठनिक सचिव पंकज कलिता, जिला छात्र संस्था के सलाहकार और धीराज राजवंशी ने आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित होकर भाषण प्रदान किया। कार्यक्रम में जिला छात्र संस्था के सलाहकार गोलोक राजवंशी, आनोवार, आदिल हासान, अनोवार खान, दीपज्योति लहकर, प्रशिक्षक एन एफ रेलवे मालीगांव के मुख्य भिजीलेंस परिदर्प्रशक प्रशांत पुरकायस्थ, एन एफ रेलवे रंगिया मंडल कर्मचारी कल्याण परिदर्शक असीम डेका और मुनीन दास, एन एफ रेलवे रंगिया मंडल के टेक्नीशियन राजीव तालुकदार सहित जिला छात्र संस्था व रंगिया आंचलिक छात्र संस्था के पदाधिकारी सहित बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# रंगिया की मेधावी छात्रा धृतिस्मिता को जिला उपायुक्त ने किया प्रोत्साहित

**रंगिया (निसं)।** कामरूप जिला की उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने गुवाहाटी विश्वविद्यालय के हाल ही में घोषित स्नातक स्तर के परिणामों में संस्कृत विभाग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली रंगिया की धृतिस्मिता कलिता के घर पहुंचकर एक शराई और फूलाम गामोछा से सम्मानित किया। शुरू से ही मेधावी छात्रा धृतिस्मिता संस्कृत जैसे विषय की ओर आकर्षित होने और अध्ययन करने के बारे में विस्तृत चर्चा से जिला उपायुक्त महोदया बहुत प्रभावित हुई। उधर, उपायुक्त महोदया ने धृतिस्मिता के साथ-साथ उसके पिता गोपाल कलिता और मां गीतारानी कलिता की भी तारीफ की। इस दौरान कामरूप जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सुलक्षणा मीथि कचारी, रंगिया उपमंडल के महकमाधिपति देबाशीष गोस्वामी, रंगिया राजस्व चक्रधिकारी भास्कर ज्योति कलिता और रंगिया कॉलेज के संस्कृत विभाग के प्राध्यापक व कई अन्य शुभचिंतक भी उपस्थित थे। धृतिस्मिता भविष्य में प्रोफेसर बनना चाहती हैं।

# तीन दिवसीय पूर्वोत्तर दौरे पर जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष

**गुवाहाटी।** गैर सरकारी संगठन जूनियर चैंबर इंटरनेशनल इंडिया (जेसीआई इंडिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता रिखेश शर्मा अपने तीन दिवसीय महत्वपूर्ण दौरे पर असम पहुंचे हैं। यह दौरा जेसीआई इंडिया की अपने 28 क्षेत्रों में नेतृत्व विकास, उद्यमशीलता प्रशिक्षण और सामुदायिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र को जोन 25 नामित किया गया है। यह दौरा जोन 25 के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा, जिसमें तीन दिनों तक पावर-पैक मेगा जनसंपर्क कार्यक्रम शामिल हैं। जोन 25 शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने वाली कई पहलों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इस दौरे पर राष्ट्रीय अध्यक्ष रिखेश शर्मा के साथ जोन अध्यक्ष जेसीआई एसईएन सीए शुभम अग्रवाल, निवर्तमान जोन अध्यक्ष (आईपीजेडपी) जेसीआई एसईएन सीए बिजय कुमार अग्रवाल, जोन निदेशक प्रबंधन जेसी ऋचा चौधरी, प्रोटोकॉल अधिकारी जेसी राहुल वर्मा साहित जोन 25 के अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हैं। ये सभी जोन 25 के अंतर्गत स्थानीय चैप्टर का दौरा करेंगे जो स्कूल और गांव को गोद लेने, वंचित युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण और दूरदराज के क्षेत्रों में सौर्य ऊर्जा समाधानों को लागू करने जैसी प्रभावशाली परियोजनाओं का नेतृत्व कर रहे हैं। ये पहल जेसीआई के वैश्विक मिशन के अनुरूप हैं और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। अपनी यात्रा के दौरान, राष्ट्रीय अध्यक्ष रिखेश शर्मा कई स्थाई और प्रभावशाली परियोजनाओं का उद्घाटन कर रहे हैं, जो सामुदायिक विकास और सशक्तिकरण के लिए जेसीआई इंडिया के समर्पण को दर्शाता हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष की इस तीन दिवसीय यात्रा के दौरान कुछ उल्लेखनीय परियोजनाओं में जेसीआई कामरूप एलीट द्वारा गड़चुक स्थित पारिजात अकादमी में 100 लड़कियों के लिए मेहंदी कक्षाओं का शुभारंभ शामिल है। इस पहल का उद्देश्य युवा महिलाओं को आजीविका कमाने के लिए कौशल प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है। जेसीआई रंगिया रॉयल्स ने ट्रैफिक बैरिकेड्स और एक वाटर फिल्टर लगाकर योगदान दिया। जेसीआई गुवाहाटी हुनर ने सोनापुर के कमरकुची में कई स्थायी परियोजनाएं शुरू कीं, जिनमें एक बोरवेल प्रणाली का निर्माण और सौर ऊर्जा की स्थापना शामिल है। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हरिजन कॉलोनी और जेसीआई गुवाहाटी प्रिंसेस द्वारा गोद लिए गए स्कूल का दौरा किया, जहां उन्होंने कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस शाखा ने पूरे स्कूल का नवीनीकरण किया है और क्षेत्र में एक जल भंडारण प्रणाली और शॉवर रूम का निर्माण किया है। तीसरे दिन की शुरुआत दृष्टि दान 2.0 से हुई, जो जेसीआई गुवाहाटी बिज वूमन द्वारा आयोजित पूर्वोत्तर के सबसे बड़े नेत्र जांच शिविरों में से एक है। इसके बाद जेसीआई दिसपुर कैपिटल द्वारा बोंडा में एक अनाथालय को गोद लिया गया, जहां उन्होंने अनाथालय के समग्र विकास का ध्यान रखा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लताकाटा स्थित गुवाहाटी ब्लाइंड स्कूल में जेसीआई गुवाहाटी अचीवर्स द्वारा एक परियोजना का भी उद्घाटन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शर्मा का दौरा इन परियोजनाओं के महत्व को रेखांकित करता है और क्षेत्र के विकास और कल्याण के लिए जेसीआई इंडिया के समर्पण को दर्शाता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष और स्थानीय संगठनों के बीच सहयोग जेसीआई की भावना का उदाहरण है, जो सामूहिक प्रयासों और अभिनव समाधानों के माध्यम से विकास को बढ़ावा देता है। इस यात्रा से पूर्वोत्तर क्षेत्र में सतत सामुदायिक विकास और सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर प्रयासों को प्रेरित करने की उम्मीद है।

संपादकीय

# राहुल का नया चक्रव्यूह

**लोकसभा** में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बजट पर बोलना था, लेकिन उन्होंने महाभारत कालीन चक्रव्यूह का नया रूपक ही गढ़ दिया। हजारों साल पुराने चक्रव्यूह में अभिमन्यु को घेर कर मार दिया गया था। उसका नियंत्रण द्रोणाचार्य, कृपाचार्य, कर्ण, कृतवर्मा, अश्वत्थामा और शकुनि के हाथों में था। आज का चक्रव्यूह भी प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, सरसंघचालक मोहन भागवत, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल आदि छह हाथों में है। दो शेष नाम देश के बड़े उद्योगपतियों के हैं, जिनका नाम सदन में नहीं लिया जा सकता था। स्पीकर ओम बिरला ने भी नियमों का हवाला दिया, लेकिन राहुल गांधी उनका एक बार नाम ले चुके थे। फिर उन्हें ए-1, ए-2 नामकरण दिया। राहुल गांधी ने यह रूपक क्यों गढ़ा? क्या आज का चक्रव्यूह भी किसी को हताहत करने को रचा गया है? संसद में ऐसी हिंसकवादी राजनीति के कोई मायने नहीं हैं, लिहाजा स्पीकर नेता प्रतिपक्ष को बार-बार सलाह देते रहे कि एक बार और सदन के नियमों को नेता प्रतिपक्ष पढ़ लें। जाहिर है कि राहुल गांधी बार-बार नियमों का उल्लंघन करते रहे हैं। बहरहाल नए चक्रव्यूह के संदर्भ में जवाब राहुल ही देंगे, लेकिन उनकी राजनीति समझ में जरूर आती है कि 2024 के आम चुनाव की तरह वह अब भी एक नेरेटिव देश में फैलाना चाहते हैं। वह नेरेटिव भाजपा के हिंदुत्व और सवर्णवाद की काट साबित हो सकता है, ऐसी राहुल गांधी की उम्मीद है। उनकी राजनीति जातीय जनगणना की है, जबकि कांग्रेस में उनके पुरखे ऐसे जातिवाद के खिलाफ थे और ऐसी जनगणना को कभी भी लागू नहीं किया। कांग्रेस की विरासत ही कांग्रेस के विपरीत है। राहुल गांधी का फोकस पिछड़े, दलित, आदिवासी पर ज्यादा है। उन्होंने अपने 46 मिनट के भाषण का सारांश यह रखा कि गरीब, पिछड़े, दलित, युवा, किसान समेत पूरा देश भय के चक्रव्यूह में है। अग्निवीरों को भी चक्रव्यूह में फंसाया गया है। प्रधानमंत्री जिस कमल के फूल (भाजपा का चुनाव चिह्न) को लहराते रहते हैं, उसी के आकार वाला चक्रव्यूह है। यहां नेता प्रतिपक्ष ने अपनी सियासत के मुताबिक हिंदू धर्म का अपमान किया है। भाजपा ने यूं पलटवार करते हुए कहा है कि जिस फूल को ब्रह्मा जी, देवी लक्ष्मी, देवी सरस्वती ने अपना आसन बनाया, पवित्रता के प्रतीक उसी फूल को राहुल गांधी ने 'हिंसक' करार दिया। यह धार्मिक अपमान राहुल की राजनीति के मुताबिक है। नेता प्रतिपक्ष ने बजट पर संभवतः 2.5 फीसदी ही बोला। सिर्फ शिक्षा का आवंटन ही उन्हें याद रहा। बजट की 'हलवा सेरेमनी' में भी उन्होंने जातिवाद को घुसेड़ कर कहा कि जो 20 अधिकारी देश का बजट तैयार करते हैं, उनमें कोई भी ओबीसी, दलित या आदिवासी अफसर नहीं है, जबकि इन समुदायों की आबादी देश की 73 फीसदी है। सिर्फ 2-3 फीसदी लोग ही 'हलवा' बनाते हैं, वे ही बांटते हैं और वे ही खा जाते हैं। देश की 73 फीसदी आबादी को 'हलवा' नहीं मिल रहा है। राहुल का कथन देश के संसाधनों और शक्तियों की व्याख्या कर रहा है। उनका जातिवाद भी इसी आधार पर टिका है कि जो देश में बहुसंख्यक हैं, वे ही वंचित और विपन्न हैं। शायद राहुल गांधी को यह याद नहीं रहा कि बजट से जुड़ा 'राजनीतिक हलवा' तो बीते 70 सालों से अधिक समय से बांटा जा रहा है। इस दौरान सर्वाधिक सरकारें कांग्रेस की रही हैं। गौरतलब है कि कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान 2011 की जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी कराई गई थी। उसके आंकड़े सार्वजनिक क्यों नहीं किए गए? कर्नाटक में जब सिद्धारमैया पहली बार मुख्यमंत्री बने थे, तब उन्होंने जातीय जनगणना कराई थी। आज भी वह मुख्यमंत्री हैं, लेकिन जातीय जनगणना के आंकड़े आज तक भी जारी नहीं किए गए। कांग्रेस या राहुल गांधी स्पष्ट कर सकते हैं कि उनके जातिवाद का यथार्थ क्या है? राहुल गांधी ने यह भी दावा किया है कि जो मध्यवर्ग प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति का समर्थक था, आज वह 'इंडिया' की तरफ आ रहा है, क्योंकि मध्यवर्ग की पीठ और छाती में छुरा घोंपा गया है। बहरहाल हमारा सरोकार राहुल के चक्रव्यूह से है कि उसके मायने क्या हैं।

आज का चक्रव्यूह भी प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, सरसंघचालक मोहन भागवत, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल आदि छह हाथों में है। दो शेष नाम देश के बड़े उद्योगपतियों के हैं, जिनका नाम सदन में नहीं लिया जा सकता था। स्पीकर ओम बिरला ने भी नियमों का हवाला दिया, लेकिन राहुल गांधी उनका एक बार नाम ले चुके थे। फिर उन्हें ए-1, ए-2 नामकरण दिया। राहुल गांधी ने यह रूपक क्यों गढ़ा? क्या आज का चक्रव्यूह भी किसी को हताहत करने को रचा गया है? संसद में ऐसी हिंसकवादी राजनीति के कोई मायने नहीं हैं, लिहाजा स्पीकर नेता प्रतिपक्ष को बार-बार सलाह देते रहे कि एक बार और सदन के नियमों को नेता प्रतिपक्ष पढ़ लें। जाहिर है कि राहुल गांधी बार-बार नियमों का उल्लंघन करते रहे हैं। बहरहाल नए चक्रव्यूह के संदर्भ में जवाब राहुल ही देंगे, लेकिन उनकी राजनीति समझ में जरूर आती है कि 2024 के आम चुनाव की तरह वह अब भी एक नेरेटिव देश में फैलाना चाहते हैं।

### बच्चों को मोबाइल मिलने की वजह से वे ऑनलाइन गेमिंग के आदि हो गए और मानसिक तौर पर बीमार होने लगे हैं

# डिजिटल डिटाक्स आज के समय की जरूरत !

**सुनील कुमार महला**

**स्कूली** बच्चों में विडियो गेम्स की लत स्वयं बच्चों के लिए व उनके परिवार के लिए बहुत ही घातक सिद्ध हो रही है। सच तो यह है कि आज के समय में जब हम संचार क्रांति के युग में सांस ले रहे हैं ,तब घंटों ऑनलाइन गेमिंग की लत बच्चों को मानसिक रूप से बीमार बना रही है। दरअसल, कोरोना महामारी के बाद से बच्चों को मोबाइल यूज करने की ज्यादा लत लग गयी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कोरोना महामारी( कोविड-19 ) के दौरान हुए लॉकडाउन की वजह से बच्चों की कोचिंग व स्कूल की ऑनलाइन क्लासेज लगने लगी और बच्चों को एंड्रॉयड मोबाइल फोन या टैबलेट या कंप्यूटर देना माता पिता और अभिभावकों के लिए मजबूरी बन गया था। बच्चों को मोबाइल मिलने की वजह से वे ऑनलाइन गेमिंग के आदि हो गए और मानसिक तौर पर बीमार होने लगे हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ज्यादा समय तक ऑनलाइन गेम खेलने वाले बच्चों के व्यवहार में उग्रता आ जाती है, जिसके बाद उनमें तनाव बढ़ने लगता है। कुछ मामलों में उनको दौरे तक भी पड़ने लगते हैं। आज मोबाइल गेम्स के चक्कर में बच्चे अभिभावकों का कहना तक नहीं मानते हैं, क्यों कि आनलाइन गेम्स उन्हें आनंद व खुशी की अनुभूति प्रदान करते हैं। मोबाइल छीनने पर वे उग्र, कभी कभी तो हिंसक भी हो जाते हैं। आनलाइन गेम्स खेलने से बच्चे जहां एक ओर पढ़ाई से दूर होने लगे हैं वहीं पर दूसरी ओर इससे उनकी आंखों, दिमाग पर भी प्रभाव पड़ता है। वास्तव में ऑनलाइन गेम्स खेलने के कारण बच्चों की आंखों की रौशनी कम होना, मोटापा, स्लीपिंग डसिऑर्डर, डप्रिशन, अग्रेसिवनेस, एकाग्रता में कमी जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। बहरहाल, यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो एक सर्वे के मुताबिक, भारत के 40 प्रतिशत अभिभावकों ने माना था कि उनके बच्चे सोशल मीडिया इस्तेमाल करने, वीडियोज देखने और ऑनलाइन गेम खेलने के आदि हैं। इन बच्चों की उम्र 9 साल से 17 साल के बीच है। इस सर्वे में शामिल 49 प्रतिशत अभिभावक मानते हैं कि उनके 9 साल से 13 साल के आयुवर्ग के बच्चे रोजाना 3 घंटे से ज्यादा समय इंटरनेट पर बिताते हैं। वहीं, 47 प्रतिशत अभिभावकों का मानना था कि उनके बच्चे को ऑनलाइन गेमिंग, सोशल मीडिया और शॉर्ट वीडियोज देखने की बुरी लत लग गई है। सर्वे में भाग लेने वाले 62 प्रतिशत अभिभावकों का मानना है कि उनके 13 साल से 17 साल के बच्चे प्रतिदिन 3 घंटे से ज्यादा समय स्मार्टफोन पर बिताते हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे जिले से एक बहुत ही चौंकाने व दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। यहां एक पन्द्रह वर्षीय बालक ने एक बहुमंजिला इमारत की चौदहवीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी। प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि नाबालिग ने कथित तौर पर ब्लूव्हेल चैलेंज गेम की लत के चलते यह खतरनाक कदम उठाया है। मीडिया के हवाले से खबर आई है कि जिस बच्चे ने चौदहवीं मंजिल से कूदकर अपनी जान दे दी वह ऑनलाइन गेम खेलने का आदी था। यह भी बताया जा रहा है कि मृतक लड़का पढ़ाई में बेहद अच्छा था और हाल ही में उसने अच्छे अंकों के साथ 9 वीं कक्षा पास की थी। पिछले कुछ महीनों से उसे ऑनलाइन मोबाइल गेम खेलने की लत लग गई थी। आज इंटरनेट व आनलाइन का जमाना है। बच्चे आनलाइन गेम्स के चक्कर में फंसकर अपनी जान से हाथ धो रहे हैं। बच्चों का मन बहुत ही कोमल होता है और वे इन आनलाइन गेम्स के चक्कर में फंसकर ऐसे खतरनाक कदम उठा रहे हैं, जिसके बारे में सोचकर भी किसी का दिल कांप उठता है। दरअसल,आज विभिन्न प्लेटफार्म पर ऐसे आनलाइन गेम्स उपलब्ध हैं और बच्चे इनका आसानी से शिकार बन जाते हैं। वे खेल के मैदानों में न जाकर इंटरनेट के माध्यम से वर्चुअल गेम्स में रचे-बसे रहते हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स, इंटरनेट, एंड्रायड फोन ने जहां हमें बहुत सी सुविधाएं प्रदान कीं हैं, वहीं दूसरी ओर इनके बहुत से खतरे भी हैं। आज न तो अभिभावकों के पास अपने बच्चों के लिए समय बचा है और न ही बच्चों के पास अभिभावकों के लिए समय है। जिंदगी की आपाधापी में हम बच्चों को खेल के मैदानों से नहीं जोड़ पा रहे हैं और न ही आज पहले के जमाने की भांति दादी-नानी की कहानियां ही बची हैं। परिवार भी आज संयुक्त नहीं रहे हैं अथवा कम ही परिवार हैं जो संयुक्त बचे हैं और इसका खामियाजा कहीं न कहीं हम सभी को भुगतना पड़ रहा है। एकल परिवार में हम आपसी संवाद कम ही करते हैं और स्वयं में ही व्यस्त रहते हैं। किसी को भी आज देखिए, सब सोशल नेटवर्किंग साइट्स व्हाट्स एप, फेसबुक, इंस्टाग्राम यू-ट्यूब, ट्विटर, गेम्स, इंटरनेट पर भी व्यस्त नजर आते हैं। इस वर्चुअल दुनिया में हम रम-बस से गये हैं और हमें हमारे आसपास के वातावरण तक का भी ध्यान नहीं रहता है कि कहां, क्या और कैसे हो रहा है ? बच्चे अपने में मस्त रहते हैं और हम अभिभावक अपने में। आज हमें यह चाहिए कि हम अपने बच्चों का ध्यान रखें कि वे कब, कहां क्या कर रहे हैं और क्या नहीं। सच तो यह है कि पुणे में हुई घटना की और कहीं पर भी पुनरावृत्ति न होने पाएं इसके लिए हमें यह चाहिए कि हम अपने बच्चों को ऑनलाइन गेमिंग की लत से बचाने के लिए उनके रोज के खेल का समय सीमित करें, हमें यह चाहिए कि हम गेमिंग डिवाइस को सोने से पहले बेडरूम से हटा दें, और बेकार ऐप्स को डिलीट कर दें और बच्चों से स्ट्रेस-फ्री एक्टिविटीज करवाएं। बच्चों को खेल के मैदानों से जोड़ें, उनके साथ समय समय पर संवाद करें, उनकी समस्याओं को जानें, समझें, उन्हें समझाएं,उनकी समस्याओं का मिल बैठकर समाधान करें। आज विभिन्न सेलिब्रिटी, क्रिकेटर, बड़े बड़े अभिनेता, अभिनेत्री , फिल्मी दुनिया के सितारे आनलाइन जुए के विभिन्न एप्स का प्रचार करते नजर आते हैं। भारी भरकर प्रचार से आनलाइन गेम्स की लोकप्रियता लगातार बढ़ती चली जा रही है। आज हमें हर कहीं ऐसे विज्ञापन ज़रूर देखने को मिल जाएंगे जिसमें ये प्रचार किया जाता है, 'घर बैठे लाखों, करोड़ों रुपये कमाएं।' बच्चे इन सबके बारे में समझ नहीं पाते हैं, क्यों कि समयाभाव के कारण हम अभिभावक बच्चों पर पर्याप्त ध्यान नहीं रख पाते हैं और बच्चों को गाइडेंस का अभाव रहता है। यह बहुत ही चिंताजनक है कि आज कम कीमत पर मोबाइल फ़ोन और कनेक्टिविटी मौजूद हैं और इसकी वजह से ऑनलाइन जुए की लोकप्रियता न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में फ़ैल रही है।

DIGITAL
DETOX

सच तो यह है कि आज के समय में जब हम संचार क्रांति के युग में सांस ले रहे हैं ,तब घंटों ऑनलाइन गेमिंग की लत बच्चों को मानसिक रूप से बीमार बना रही है। दरअसल, कोरोना महामारी के बाद से बच्चों को मोबाइल यूज करने की ज्यादा लत लग गयी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कोरोना महामारी( कोविड-19 ) के दौरान हुए लॉकडाउन की वजह से बच्चों की कोचिंग व स्कूल की ऑनलाइन क्लासेज लगने लगी और बच्चों को एंड्रॉयड मोबाइल फोन या टैबलेट या कंप्यूटर देना माता पिता और अभिभावकों के लिए मजबूरी बन गया था।

दृष्टि कोण

# नेताओं की महिला विरोधी मानसिकता

**हाल** ही में नीतीश कुमार ने महिला विधायक रेखा देवी जी को अपमानित करते हुए यह कह दिया कि 'तुम महिला हो, कुछ नहीं जानती हो।' इससे पहले भी कई बार अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया और एक बार तो विधानसभा में ऐसी व्याख्या कर दी जिसमें शर्म को भी शर्म आ गई। मेरा नीतीश जी से यह कहना है कि आप मुख्यमंत्री हैं, ठीक है। आप सरकारें बना सकते हैं, बिगाड़ सकते हैं, दलबदल कर सकते हैं, पर याद रखिए महिलाएं इस देश की राष्ट्रपति हैं। प्रधानमंत्री बन चुकी हैं। सीमा की रक्षा के लिए वीर सैनिक बेटियां राफेल उड़ा रही हैं। प्रशासनिक सेवाओं में और पुलिस सेवाओं में अपनी योग्यता से नाम कमा रही हैं। सीमाओं की रक्षा कुशलता से कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की जज और वकील बनने वाली भी अगर महिलाएं कुछ नहीं जानतीं, तो क्या सब कुछ नीतीश कुमार जानते हैं, क्योंकि वे पुरुष हैं? नीतीश ने विश्व भर की महिलाओं का अपमान किया है। नीतीश सरकारें बना कर गिरा सकते होंगे, पर जो काम इस देश की महिलाओं ने कर दिया है, वह आज तक नहीं कर सके। मुझे लगता है नीतीश कुमार से ज्यादा उन विधायकों का दोष है जो अपने मुख्यमंत्री की अनुचित बातें सुनते, उसके पक्ष के लोग तालियां लगाते और उसका समर्थन करते हैं। नीतीश कुमार दुनिया भर की महिलाओं से माफी मांगें और सबसे पहले उस विधायक से, जिसे महिला होने के कारण यह कह दिया कि महिला हो, कुछ नहीं जानती हो। नीतीश कुमार उस पुरुष प्रधान मानसिकता के शिकार हैं जो हमेशा महिलाओं को नीचा दिखाती है। वह असंवैधानिक भाषा बोलते हैं, फिर भी संविधान की शपथ लेकर मुख्यमंत्री बने हैं। इस पर राष्ट्रीय महिला आयोग खामोश क्यों है?

नीतीश को नोटिस भेजकर पेश होने के लिए क्यों नहीं कह दिया? यद्यपि सदियों से ही धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में महिलाओं को वह स्थान नहीं मिला जो उनका अधिकार है। स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं ने अतुलनीय साहस का परिचय देते हुए पहले मुगलों के और फिर अंग्रेजों के छक्के छुड़ाए। बहुत पुरानी बात नहीं, जब नेताजी की सेना में रानी झांसी ब्रिगेड बनी तो उस समय की युवती लक्ष्मी सहगल ने कैप्टन के रूप में आजाद हिंद फौज में ऐतिहासिक वीरता दिखाते हुए काम किया और महिला बल को संगठित किया। रानी झांसी के जौहर कौन नहीं जानता- खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी। महारानी अहिल्या बाई की वीरता, धीरता और निष्पक्षता का साम्राज्य तथा शत्रुओं से लोहा लेने की गाथाएं देश में, विशेषकर मध्यप्रदेश में घर-घर गूंज रही हैं। मां अहिल्या बाई भी तो भारत के वीरों का कंठहार है। शिवाजी का निर्माण, मानसिक, आत्मिक और बौद्धिक रूप से उन्होंने ही किया। एक वीर पुत्र देश को दिया, जो धर्म के साथ ही देश की बेटियों की भी रक्षा करे, चाहे वह दुश्मन की भी क्यों न हो। असंख्य गाथाएं हैं और खासकर बिहार की वीर बालिकाओं का इतिहास संभवतः नीतीश नहीं जानते, उनको जिन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में अंग्रेज की गोलियों का भी सामना किया था। असम की कनकलता समेत और पंजाब की दुर्गा भाभी समेत महिलाओं के बुद्धि शौर्य और रण शौर्य की असंख्य गाथाएं हैं, पर अपनी अल्पबुद्धि और सत्ता के बल पर नीतीश ने महिलाओं का घोर अपमान पहले भी किया है और अब भी कर दिया है। नीतीश को बताना होगा कि क्या महिला है, इसलिए कुछ नहीं जानती? यह किस दुष्प्रभाव में कहा? वैसे भी भारत की पुरुष मानसिकता जानते हुए या अनभिज्ञता में महिलाओं का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ती। देश के किसी भी वर्ग का कोई विरला व्यक्ति ही ऐसा होगा, जो गाली निकालते हुए बेटियों, बहनों का अपमान नहीं करता। बड़े से बड़ा अधिकारी भी, मंत्री भी, सांसद और विधायक भी गाली निकालते हैं। यह सीधा-सीधा महिलाओं का अपमान है। केवल देश की बात नहीं, दुनिया भर में भी चर्चा है कि भारत में लिंग भेद बहुत ज्यादा है। वल्ड इकोनामिक फोरम ने कुछ समय पहले ही ग्लोबल जैंडर गैप रिपोर्ट 2024 पब्लिश की है। इसमें 146 देशों में से भारत जैंडर गैप के मामले में 129वें स्थान पर पहुंच गया है। यह अत्यंत दुखद है। महिलाओं के शैक्षिक और राजनीतिक सशक्तिकरण में भी गिरावट आई है। संसद में महिलाओं की भागीदारी केवल 17.2 प्रतिशत है। यह दुख की बात है कि भारत उन देशों में शामिल है जहां लैंगिक समानता हर क्षेत्र में सबसे कम है। भारत में पुरुष जहां 100 रुपए औसतन कमाते हैं, वहीं महिला 39.8 रुपए कमाती है। हम अपने आसपास के वातावरण में भी देखते हैं कि बहुत सी लड़कियां, जिन्होंने स्कूल के पश्चात आगे शिक्षा प्राप्त नहीं की, उनका यही कहना होता है कि आर्थिक स्थिति सही न होने के कारण माता-पिता ने पढने से रोक लिया।

कुछ अलग

# फेसबुक पर जूते...

**वे** विशुद्ध वैष्णव शाकाहारी फेसबुकिया टाइप के चराचर निशाचर हैं। इसलिए वे अपने फेसबुक अकाउंट पर जो भी सामग्री फेंकते हैं, सब शुद्ध शाकाहारी होती है। उसमें मांसाहार की तनिक भी खुशबू नहीं होती। वे मांस भक्षण बहुधा बहुत ही चोरी छिपे करते हैं ताकि उनका वैष्णवपना भंग न हो। आप चाहें तो उनके फेसबुक अकाउंट में जितना गहरे तक अपनी नाक घुसा उनकी शुद्ध शाकाहारिता को सूंघ सकते हैं। क्या मजाल जो उसमें आपको कहीं मांस की तरी की बूंद खुशबू आए। वे नाश्ता किए बिना रह सकते हैं, पर नाश्ते के समय अपने फेसबुक अकाउंट पर शुद्ध शाकाहारी नाश्ते की तस्वीर इधर उधर से कट पेस्ट पोस्ट किए बिना कतई नहीं। वे लंच किए बिना रह सकते हैं, पर लंच के समय अपने फेसबुक अकाउंट पर शुद्ध शाकाहारी लंच की तस्वीर इधर उधर से कट पेस्ट कर पोस्ट किए बिना कतई नहीं। वे डिनर किए बिना रह सकते हैं, पर डिनर के समय अपने फेसबुक अकाउंट पर शुद्ध शाकाहारी डिनर की थाली की तस्वीर इधर उधर से कट पेस्ट पोस्ट किए बिना कतई नहीं। वे चाय के बिना रह सकते हैं, पर चाय के समय चाय के कप की तस्वीर अपनी फेसबुक अकाउंट पर इधर उधर से कट पेस्ट पोस्ट किए बिना कतई नहीं। यही माननीय, सम्मानीय शुद्ध शाकाहारी वैष्णव उस वक्त बहुत परेशान लगे। वैसे फेसबुक पर पोस्ट डालने को लेकर वे बहुधा परेशान ही रहते हैं। उन्हें पता ही नहीं लग रहा था कि उस वक्त वे अपने फेसबुक अकाउंट पर अपने मित्रों से शेयर करें तो क्या करें? ऐसी परेशानी में उनका फोन आया, 'और बंधु! क्या कर रहे हो?' 'कुछ खास नहीं! बस वही सब कुछ जो इस वक्त रोज किया करता हूं। कहो, क्यों फोन किया? सब कुशल तो है?' 'हां! बस, एक परेशानी परेशान किए है, समझ नहीं आ रहा इस वक्त ब्रेकफास्ट का फेसबुक पर क्या डालूं? लंच-डिनर का तो फाइनल हो गया है। देखो तो, ब्रेकफास्ट का फेसबुकिया मुहूर्त निकला जा रहा है। इसी को लेकर बहुत परेशान हूं', आह रे! सोने की ईंट पर बैठे कीचड़ में छलांग लगाने को बेताब दोस्त! 'तो नीबू डाल दो!' 'वह ब्रेकफास्ट में नहीं आता।' 'तो मूली डाल दो।' 'वह भी ब्रेकफास्ट में नहीं आती।' 'तो लहसुन डाल दो।' 'वह भी ब्रेकफास्ट में नहीं आता।' 'तो प्याज डाल दो।' 'अरे यार! कुछ तो दिमाग लगाओ जो है तो। ये सब फेसबुकिया तडक़े में काम आते हैं, ब्रेकफास्ट में नहीं आते', जैसे जैसे मैं उन्हें ये वो फेसबुक पर डालने की मजाकिया सलाह दे रहा था, उससे हर बार साफ लग रहा था कि उनकी खीझ भी बढ़ती जा रही थी। 'तो अब दिमाग में, घर में जो भी कहीं कूड़ा कचरा शेष बचा हो उसमें से कुछ भी डाल दो। तुम जैसे आदरणियों, परमादरणियों को फेसबुक के सिवाय और तो कहीं जगह है नहीं। वैसे भी आज सोशल मीडिया और डस्टबिन में कोई खास फर्क तो रह नहीं गया है दोस्त', मैंने उनसे सच्ची को सच कहा तो उन्हें लगा कि ज्यों मैं उनसे ठिठोली कर रहा होऊं। मेरे साथ बहुधा ऐसा पता नहीं क्या होता है कि जब मैं किसी से ठिठोली कर रहा होता हूं तो उसे लगता है कि मैं उसके साथ सच बोल रहा हूं। तब वो हंसने के बजाय मेरी ठिठोली को गंभीरता से ले लेता है। और जब मैं किसी के साथ सच बोलता हूं तो उसको लगता है कि मैं जैसे उसके साथ ठिठोली कर रहा होऊं। और तब वह मेरे कहे सच को हंसते हुए टाल देता है। अब मुझे समझ नहीं आता कि मुझे किसी से बात करनी हो तो कैसे करूं? 'लो यार! घर से कंबख्त याद आया!'

देश दुनीया से

# देशमुख के ग्राम्य दृष्टिकोण की प्रासंगिकता

**ग्रामीण** विकास व समाज सुधार के क्षेत्र में दिग्गज भारत रत्न नानाजी देशमुख भारत में दूरदर्शी नेतृत्व के प्रतीक हैं। एक सामाजिक कार्यकर्ता जिन्होंने धैर्यपूर्वक काम किया और मध्य भारत के आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में सैकड़ों गांवों को सुधारा और लाखों लोगों को गरीबी से बचाया। वह एक अर्थशास्त्री थे जिन्होंने दुनिया को एक स्वायत्त आर्थिक विकल्प दिया जब दुनिया शोषक पूंजीवाद और हठधर्मी साम्यवाद के बीच ध्रुवीकृत थी। एक बुद्धिजीवी के रूप में, नानाजी ने भारत में पहला ग्रामीण विश्वविद्यालय शुरू किया। उन्होंने 'मुकदमेबाजी मुक्त गांवों' के माध्यम से संघर्ष-मुक्त समाज का नेतृत्व किया और ग्रामीणों को उनके विकास में भागीदार बनाया। एक राजनीतिक कार्यकर्ता जिसने स्वतंत्र भारत में सबसे बड़े लोकतंत्र समर्थक आंदोलनों में से एक को तैयार किया, जिसके कारण दो साल की तानाशाही के बाद भारत में लोकतंत्र की बहाली हुई। उनकी तीक्ष्ण बुद्धिमत्ता और असाधारण संगठन कौशल ने भारतीय राजनीति पर एक अमिट छाप छोड़ी है। समाज के विभिन्न पहलुओं में फैले उनके योगदान ने देश के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है। नानाजी देशमुख के नाम से मशहूर चंडिकादास अमृतराव देशमुख का जन्म 11 अक्टूबर 1916 को महाराष्ट्र के गांव कडोली में हुआ था। लोकमान्य तिलक नानाजी के रोल मॉडल थे। नानाजी देशमुख का परिवार डा. हेडगेवार के निकट संपर्क में था। डा. हेडगेवार ने उन्हें आरएसएस की शाखाओं में जाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रारंभिक वर्षों के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शिक्षाओं ने उनके वैचारिक ढांचे को आकार दिया और उनमें राष्ट्र सेवा की गहन भावना पैदा की। उन्हें प्रचारक के रूप में उत्तर प्रदेश भेजा गया, जहां उन्होंने पूर्वी उत्तर प्रदेश में संघ की विचारधारा के लिए बहुत मेहनत की। अंततः तीन साल की छोटी अवधि में, उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई, और गोरखपुर और उसके आसपास लगभग 250 संघ शाखाएं दिखाई दीं। 1947 में भारत के विभाजन के दौरान उनके काम, जहां उन्होंने शरणार्थियों के पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, इस अनुभव ने सामुदायिक संगठन और आत्मनिर्भरता के महत्व को रेखांकित किया। 1947 में आरएसएस ने राष्ट्रधर्म, पांचजन्य और स्वदेश नामक समाचार पत्र शुरू करने का फैसला किया। इसके लिए अटल बिहारी वाजपेयी को संपादक, दीनदयाल जी को मार्गदर्शक, और नानाजी को प्रबंध निदेशक बनाया गया। यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य था क्योंकि प्रकाशन निकालने के लिए संगठन के पास पैसे की कमी थी। फिर भी, उनकी कड़ी मेहनत से इन प्रकाशनों ने लोकप्रियता और मान्यता प्राप्त की। आरएसएस पर प्रतिबंध के बाद पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन ठप हो गया। प्रतिबंध को ध्यान में रखते हुए एक अलग रणनीति अपनाई गई और उन दिनों आरएसएस द्वारा भूमिगत प्रकाशन कार्य के पीछे नानाजी का दिमाग था। जब प्रतिबंध हटा लिया गया और एक राजनीतिक संगठन बनाने का फैसला किया गया, तो जनसंघ अस्तित्व में आया। श्री गुरुजी ने नानाजी को पार्टी सचिव के रूप में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनसंघ का प्रभार लेने के लिए कहा। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे प्रमुख नेताओं के साथ उनके जुड़ाव ने राजनीति और शासन की उनकी समझ को और समृद्ध किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पार्टी के आधार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, अपने असाधारण संगठनात्मक और नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन किया। नानाजी ने विनोबा भावे द्वारा शुरू किए गए भूदान आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। विनोबा के साथ दो महीने बिताकर, वह आंदोलन की सफलता और अपील से प्रेरित थे। जब जय प्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया, तो उन्होंने इस आंदोलन को पूर्ण समर्थन दिया। जब जनता पार्टी का गठन हुआ था, नानाजी इसके मुख्य वास्तुकारों में से एक थे। जनता पार्टी ने कांग्रेस को हराकर सत्ता में कदम रखा और नानाजी उत्तर प्रदेश के बलरामपुर संसदीय क्षेत्र से चुने गए। जब तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने उन्हें मंत्री पद की पेशकश की तो उन्होंने विनम्रतापूर्वक मना कर दिया। उनके लिए राजनीति कभी करियर नहीं, बल्कि मिशन थी। उन्होंने जय प्रकाश नारायण की उपस्थिति में राजनीति से संन्यास की घोषणा की और तब से, कभी पीछे मुडक़र नहीं देखा। 1977 में, वह 'ग्राम स्वराज' की अवधारणा के आधार पर विकास के एक आत्मनिर्भर मॉडल का एक प्रोटोटाइप बनाने के मिशन के साथ मध्य प्रदेश के एक दूरदराज के गांव चित्रकूट चले गए। पहली बार, एक ऐसा मॉडल आया जो विकास के लिए सरकार की अपेक्षा सिविल सोसाइटी पर निर्भर था। अपनी समस्याओं को हल करने के लिए सरकार की प्रतीक्षा न करें। नानाजी लोगों से कहते थे, 'हमें अपनी समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा।' दीनदयाल अनुसंधान संस्थान के तहत विभिन्न परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन में नानाजी का प्रशासनिक कौशल स्पष्ट था।

एक सामाजिक कार्यकर्ता जिन्होंने धैर्यपूर्वक काम किया और मध्य भारत के आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में सैकड़ों गांवों को सुधारा और लाखों लोगों को गरीबी से बचाया। वह एक अर्थशास्त्री थे जिन्होंने दुनिया को एक स्वायत्त आर्थिक विकल्प दिया जब दुनिया शोषक पूंजीवाद और हठधर्मी साम्यवाद के बीच ध्रुवीकृत थी। एक बुद्धिजीवी के रूप में, नानाजी ने भारत में पहला ग्रामीण विश्वविद्यालय शुरू किया। उन्होंने 'मुकदमेबाजी मुक्त गांवों' के माध्यम से संघर्ष-मुक्त समाज का नेतृत्व किया और ग्रामीणों को उनके विकास में भागीदार बनाया। एक राजनीतिक कार्यकर्ता जिसने स्वतंत्र भारत में सबसे बड़े लोकतंत्र समर्थक आंदोलनों में से एक को तैयार किया, जिसके कारण दो साल की तानाशाही के बाद भारत में लोकतंत्र की बहाली हुई।

आप का नजरीया

# हमारी गूंज भी सुनो

**हिमाचल** सरकार की इच्छाशक्ति का परिचय देती 'मंडे मीटिंग' हमेशा कुछ निष्कर्ष, कुछ परामर्श और कुछ अर्श खोजती है, लेकिन शिमला के कान राज्य को पूरी तरह सुन नहीं पाते। ब्यास नदी में वन विभाग खनन पर उतरेगा, यह एक नीतिगत फैसला है, लेकिन इसी विभाग से संबंधित निगम वर्षों से आश्वस्त करने के बावजूद इमारती लकड़ी की हमारी जरूरतें पूरी नहीं कर पा रहा। हिमाचल के वास्तुशास्त्र में लकड़ी से जुड़ी कई तरह की निर्माण शैलियां विकसित हुईं, मगर अब चाह कर भी उपभोक्ता अपनी जरूरतों की इमारती लकड़ी विभाग से नहीं ले पाता। विभाग वर्षों से पौधारोपण कर रहा है, लेकिन नए दरख्तों का हिसाब नहीं दे पाता। जंगल में पहले जड़ी-बूटियों का एक विस्तृत भंडार था, लेकिन अब ठीक से कुछ बता नहीं पाता। हैरान कर देने वाले हादसों का सीधा अपराध भले ही वन विभाग के पेड़ पर आता हो, लेकिन इसके लिए न उसकी कोई जिम्मेदारी और न ही हर्जाना अदा करने का कोई प्रावधान। पिछले कुछ दिनों से धर्मशाला के एक क्लब से उखड़ कर एक पेड़ कला संग्रहालय के मुख्य गेट पर आने वालों के लिए खतरा बना हुआ है, लेकिन वन संरक्षण के नाम पर विभाग कानों में रुई डाल कर कहीं दूर बैठा है। कुछ महीने पहले इसी शहर में पेड़ ने अपनी ताकत बुलंद करके शहीद स्मारक के एक हिस्से की छत उखाड़ दी। वार म्यूजियम के प्रवेश पर टूटी हुई छत ने एक पूरा पर्यटक सीजन गुजार दिया, लेकिन अब मरम्मत की जिम्मेदारी में पांच लाख की अनुमानित लागत का वारिस वन विभाग नहीं। आखिर यह महकमा इतना खुदगर्ज, संवेदनहीन और लापरवाह कैसे हो सकता है। बहरहाल वन महोत्सव के मनोरंजन में उखड़ते पेड़ों की क्या मजाल जो इन्हें ठिकाने लगाया जाए। अब खनन में वन विभाग के पांव कौनसे घुंघरू पहनकर चलता है, यह देखना होगा। 'मंडे मीटिंग' के पास मंत्रिमंडल की बैठकों से कहीं अधिक शक्ति है और यह अक्सर इसके एक्शन से साबित होता है, लेकिन जब कहीं जोगिंद्रनगर का घातक पीलिया दो लोगों को डस लेता है, तो हंगामा होना चाहिए। सतत प्रयास से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। जोगिंद्रनगर की बीएससी नर्सिंग छात्रा का कसूर यह कि उसने सार्वजनिक जल के नल से पानी पीया था। उसके अभिभावकों का यह कसूर कि पीलिया से बिगड़ती हालत से मजबूर वे उसे प्रदेश के अस्पतालों और मेडिकल कालेजों से दूर पीजीआई ले जा रहे थे, तो उसकी मौत हो गई। काश! प्रदेश की जल प्रयोगशालाओं ने पानी का सही और समय पर परीक्षण किया होता। काश! जोगिंद्रनगर से टांडा मेडिकल कालेज तक की औकात पर इतना भरोसा होता कि पीलिया से यह बच्ची बच जाती। सोमवार के दिन नगरोटा बगवां के व्यापारी रोष रैली क्यों निकाल रहे थे, अगर यह गूंज मंडे मीटिंग तक पहुंच जाते तो इनसाफ का रुतबा बढ़ जाएगा। हिमाचल के सबसे बड़े ट्रांसपोर्ट घराने के साथ चौदह करोड़ की ठगी का मामला आए काफी समय गुजर गया, मगर नगरोटा बगवां का ही ठग आराम से पुलिस की पकड़ से दूर है। इस बीच नगरोटा ने कई जश्न मना लिए, सरकारी घोषणाओं के अवसर बता दिए, लेकिन प्रदेश की सबसे बड़ी ठगी का वांछित अपराधी पुलिस की पकड़ में नहीं आया। या तो कांगड़ा में एक और पुलिस जिला बना देना चाहिए, ताकि अपराध के सामने विभाग का भी मनोबल ऊंचा रहे, वरना हर नागरिक को अपने लिए खुद ही सुरक्षा दीवारों का प्रबंध करना होगा।

# उपचुनाव 2027 के विधानसभा चुनाव का बनेगा आधार, पूरी मेहनत के साथ करें तैयारी : अजय राय

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी

**लखनऊ ( हिंस )।** प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने प्रदेश में कुछ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि यह उपचुनाव ही हमारे लिए प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव का आधार बनेगा। इसलिए हम सभी को पूरी मेहनत के साथ अभी से 2027 की तैयारियों में लग जाना है तथा संगठन को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। बैठक के दौरान अजय राय ने कांग्रेस संगठन को और अधिक गतिशील बनाने के लिए पदाधिकारियों को निर्देशित किया तथा सख्ती से उनका पालन करने पर बल दिया। जिसके तहत उन्होंने प्रभारी सचिवों को उनके प्रभार क्षेत्र में अनिवार्य रूप से जाकर कार्य करने का आदेश दिया। उन्होंने जिला, शहर कमेटियों के भौतिक सत्यापन के लिए जिला कमेटी की बैठकों में प्रभारी महासचिवों तथा सचिवों को आवश्यक रूप से उपस्थित रहने के साथ ही आगामी 15 दिन के भीतर जिलेवार बैठक पूरी करने का निर्देश दिया। इसके साथ जिलों में फ्रंटल संगठनों, विभागों, प्रकोष्ठों के चेयरमैनों के साथ बैठक कर फ्रंटल संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठों की जिला, शहर कमेटी की रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा का आदेश दिया। बैठक में उन्होंने जिलों और शहरों में प्रत्येक पदाधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की। जिसके अन्तर्गत न्यूनतम पांच उपाध्यक्ष नियुक्त करते हुए उनके कार्य निर्धारित किए तथा प्रत्येक विधानसभा पर महासचिव प्रभारी तथा हर ब्लॉक पर सचिव प्रभारी बनाने पर बल दिया। शहरी क्षेत्र में बड़े पांच वार्डों पर महासचिव हर बड़े दो वार्ड पर सचिव बनाने साथ ही प्रत्येक माह जिला, शहर कांग्रेस कमेटियों के अपनी समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। श्री राय ने पदाधिकारियों को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित किए गए कार्यक्रमों को पूर्ण कराकर उसकी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को प्रेषित करने का निर्देश दिया। बैठक में पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, नवनिर्वाचित सांसद तनुज पुनिया, राकेश राठौर, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन पूर्व मंत्री डॉ. सीपी राय, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष शिव पांडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभारी प्रशासन दिनेश सिंह, सोहिल अख्तर अंसारी आदि ने बैठक में अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

## राजस्थान में तीन आईएएस अधिकारियों का तबादला

**जयपुर ( हिंस )।** राजस्थान में तीन आईएएस अधिकारियों को इधर-उधर किया गया है। राजस्थान के कार्मिक विभाग ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर तबादले किए हैं। दिनेश कुमार को राजस्व मंडल अजमेर का अध्यक्ष और डॉ. कृष्ण कांत पाठक को कर बोर्ड अजमेर का अध्यक्ष और देवाशीष परस्टी को वित्त सचिव बजट नियुक्त किया गया है। इसके अलावा कार्मिक विभाग की सूची में राज्यपाल के सचिव (आईएएस) गौरव गोयल को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का संयुक्त शासन सचिव बनाया गया है। लोकसभा सचिवालय ने उन्हें तीन वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति देने के आदेश जारी किए हैं। राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल को लोकसभा सचिव संयुक्त शासन सचिव पद पर नियुक्ति आदेश के बाद कार्मिक विभाग जयपुर भी उन्हें तीन साल की प्रतिनियुक्ति के लिए कार्य मुक्ति के आदेश जारी करेगा। इसके बाद आईएएस अधिकारी गौरव गोयल दिल्ली चले जाएंगे।

## चैकिंग के दौरान सिख युवक की पगढ़ी गिरने से विवाद, बड़ी संख्या में जमा हुए लोग

**जयपुर ( हिंस )।** महेश थाना इलाके में सिविल ड्रेस में तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा चैकिंग के दौरान के एक सिख युवक की पगढ़ी गिरने से गोपालपुरा बायपास पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। झगड़े में सिख युवक की पगढ़ी गिरने को लेकर विवाद में सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गए। धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने को लेकर दो घंटे तक लोगों ने प्रदर्शन किया। पुलिस प्रशासन ने हालत बिगड़ते देखकर बड़ी संख्या में जाब्ते को मौके पर बुला लिया। पुलिस की समझाइश के बाद आखिर में मामला शांत हो गया। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मी गोपालपुरा बाइपास स्थित शराब दुकानों पर कार्रवाई के लिए पहुंचे थे। शराब दुकान को लेकर पहुंचे पुलिसकर्मियों की कार्रवाई को लेकर पड़ोसी कैफे मालिक से कहासुनी हो गई। आरोप है कि अवैध शराब बेचने के आरोप में सिविल ड्रेस में आए पुलिसकर्मियों ने मारपीट कर दी। जिसके चलते बचाने आए सिख युवक की बीच-बचाव के दौरान पगढ़ी गिर गई। देखते ही देखते माहौल बिगड़ने पर कहासुनी के बाद झगड़ा हो गया। दोनों ही पक्षों में जमकर मारपीट होना शुरू हो गई। आरोप है कि पुलिसकर्मी होने का दावा करने वाले युवकों ने जमकर मारपीट करना शुरू कर दिया। सिख युवक के साथ बदतमीजी होने का पता चलने पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। विरोध कर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पुलिसकर्मियों पर धार्मिक भावनाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वे अभी भी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या हुआ था। दो पुलिसकर्मी अवैध शराब के किसी ऑपरेशन पर कार्रवाई करने गए थे। ऐसा लगता है कि किसी प्रकार का भ्रम हुआ जिससे चीजें बढ़ गईं। मौके पर पहुंचे पुलिस अतिरिक्त जाब्ते की मदद से स्थिति पर काबू पाया गया। पुलिस आलाधिकारियों ने समझाइश कर मामले को शांत किया।

## सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

**बारां ( हिंस )।** जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, छह लोग घायल हो गए। जिन्हें किशनगंज के अस्पताल ले जाया गया है। भंवरगढ़ कस्बे से दो किलोमीटर पहले बारां की ओर से केलवाड़ा की तरफ जा रही एक जीप के आगे अचानक गाय आ जाने से यह हादसा हुआ। अचानक गाय आने से वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एएसपी राजेश चौधरी ने बताया कि घटना शुक्रवार रात भंवरगढ़ थाना क्षेत्र के रामपुरिया के पास नेशनल हाईवे 27 की है। हाईवे से जीप गुजर रही थी। इस दौरान अचानक मवेशी सामने आ गया। उसे बचाने के चक्कर में जीप का बैलेंस बिगड़ गया। जीप पलटने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग फंस गए। जीप में फंसे लोगों की चीख सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े। कड़ी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला गया। हादसे में जीप सवार रामपुर निवासी फूलचंद पुत्र तुलसीराम, हरिचरण मेहता, लाखन पुत्र फागू सहरिया, एमपी के बमोरी राजू सहरीया की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में लाखन और फूलचंद रिश्तेदार थे। फूलचंद लाखन का मामा था। हादसे में मुरली, माखन, हेमराज, गौरा बाई, आनंद, फागू, श्रवण, पुरुषोत्तम, बड़ा सहित अन्य लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया। डीएसपी ओमेंद्र सिंह शेखावत, एसपी राजकुमार चौधरी, कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने भी किशनगंज हॉस्पिटल पहुचंकर घायलों से जानकारी ली। रामगढ़ क्षेत्र के किशनाईपुरा गांव से अपनी बहन को लेने यह सभी लोग गए हुए थे कि वापस लौटते समय भंवरगढ़ कस्बे से पहले यह हादसा हो गया। अचानक गाय सामने आ जाने से ड्राइवर ने ब्रेक लगा दिए। इससे गाड़ी अनियंत्रित होकर कई बार पलट गई।

## अयोध्या में दुष्कर्म के आरोपी के खिलाफ हो रही कार्रवाई उचित : मायावती

**लखनऊ ( हिंस )।** उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अयोध्या जिले में एक नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी सपा नेता मोईद खान के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। उसके अवैध निर्माण को शनिवार को बुलडोजर से धवस्त कर दिया गया। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने इस कार्रवाई को उचित बताया है। मायावती ने शनिवार को एक्स पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अयोध्या गैंगरेप केस में आरोपी के विरुद्ध की जा रही सख्त कार्रवाई उचित है, लेकिन सपा का यह कहना कि आरोपी का डीएनए टेस्ट होना चाहिये, इसे क्या समझा जाए। जबकि सपा को यह भी बताना चाहिए कि उनकी सरकार में ऐसे आरोपियों के खिलाफ कितने डीएनए हुए टेस्ट हुए हैं। मायावती ने कहा कि प्रदेश में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था में भी खासकर महिला सुरक्षा एवं उत्पीड़न आदि को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच अयोध्या व लखनऊ आदि की घटनाएं अति-दुखद व चिंतित करने वाली हैं। सरकार इनके निवारण के लिए जाति-बिरादरी एवं राजनीति से ऊपर उठकर सख्त कदम उठाए तो बेहतर है। इससे पहले सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पोस्ट में कहा था कि इस कुकृत्य के मामले में जिन पर भी आरोप लगा है उनका डीएनए टेस्ट कराकर इंसाफ का रास्ता निकाला जाए न कि केवल आरोप लगाकर सियासत की जाए। जो भी दोषी हो उसे क़ानून के हिसाब से पूरी सजा दी जाए, लेकिन अगर डीएनए टेस्ट के बाद आरोप झूठे साबित हों तो सरकार के संलिप्त अधिकारियों को भी न बख्शा जाए। यही न्याय की मांग है। उधर, सपा के स्थानीय सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि जहां तक इस घटना की बात है तो यह बेहद दर्दनाक और शर्मनाक है। इस घटना में शामिल सभी लोगों की जांच होनी चाहिए। सच्चाई का पता लगाना चाहिए और जो भी दोषी हो उनके खिलाफ पूरी ताकत से कार्रवाई होनी चाहिए। जहां तक पीड़ित की बात है तो हमारी पार्टी पूरी तरह से पीड़ित के साथ खड़ी है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा इस पर राजनीति कर रही है। सांसद प्रसाद ने कहा कि वे ऐसे लोगों से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि यह राजनीति का क्षण नहीं है। निर्दोषों को फंसाया नहीं जाना चाहिए और डीएनए टेस्ट कराया जाना चाहिए। पीड़िता की आर्थिक रूप से भी मदद की जानी चाहिए।

## एनएसयूआई कार्यकर्ताओं की भूख हड़ताल जारी, एबीवीपी ने किया सद्बुद्धि यज्ञ

**जोधपुर ( हिंस )।** जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के केंद्रीय कार्यालय के बाहर अपनी-अपनी मांगों को लेकर एनएसयूआई और एबीवीपी का धरना तीसरे दिन भी जा रहा। एनएसयूआई की तरफ से तीसरे दिन भी कार्यकर्ता भूख हड़ताल पर बैठे रहे। वहीं एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने कुलपति व विश्वविद्यालय प्रशासन को सद्बुद्धि देने के लिए यज्ञ किया। छात्र संगठनों ने मांगें नहीं माने जाने पर उग्र आंदोलन की भी चेतावनी दी। विश्वविद्यालय में बढ़ी हुई फीस को वापस करवाने की मांग को लेकर एनएसयूआई के कार्यकर्ता आज भी भूख हड़ताल पर बैठे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने पहले दिन के धरने के दौरान केवल 100 रुपये ही कम किए थे, लेकिन छात्रों की मांग है कि जितनी फीस बढ़ोतरी की गई है, वह पूरी वापस लेने तक हड़ताल जारी रहेगी। छात्रों का कहना है कि जब तक विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी मांगें नहीं मानेगा तब तक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रहेगी। छात्र नेता दीपक जाखड़ ने बताया कि चार दिन पहले छात्रों ने कुलपति को ज्ञापन देकर फीस वृद्धि के निर्णय को वापस लेने की मांग की थी। तब कुलपति ने एक कमेटी गठित की, लेकिन अभी तक कमेटी की ओर से निर्णय नहीं लिया गया है। यूनिवर्सिटी की ओर से तीन गुना फीस कर दी गई है। छात्रों पर आर्थिक बोझ डाला जा रहा है। यहां संभाग भर के विद्यार्थी पढ़ने के लिए आते हैं जिनसे तीन गुना अधिक फीस वसूलना न्याय संगत नहीं है। इधर एबीवीपी का छात्रसंघ चुनाव कराने, सिंडिकेट से वित्तीय अनियमितता के आरोपी प्रो. केआर पटेल को हटाने, परीक्षाओं की फीस कम करने, छात्र-छात्राओं के लिए कैंटीन एवं शौचालय की व्यवस्था करने, शुद्ध पेयजल शौचालय उपलब्ध कराने, विवि में गत तीन वर्षों में हुई वित्तीय एवं पदोन्नति प्रक्रिया में हुई अनियमितताओं की जांच करने सहित 13 मांगों को लेकर दिया जा रहा धरना भी तीसरे दिन जारी रहा। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने आज धरना स्थल पर सद्बुद्धि यज्ञ भी किया।

## भाजपा दे रही है सरकार में अपराधियों को आसरा : दुष्यंत चौटाला

**जींद ( हिंस )।** पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने भाजपा के हलोपा के साथ चुनाव लडने् के सवाल पर कहा कि ये भाजपा का फैसला है। प्रदेश में समीकरण तो अभी बहुत बदलेंगे। अभी भागमभाग शुरू होगी किसी दल में आठ-आठ, नौ-नौ लोग है जो चुनाव की तैयारी कर रहे है। इन लोगों को टिकट नहीं मिलेगी वो भी पार्टी छोड़ कर जाएंगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला शनिवार को उचाना हलके के जनसंपर्क अभियान के दौरान कसूहन, छात्तर, मांडी सहित विभिन्न गांव के दौरे किए। यहां पर कार्यकर्ताओं से मिलने के साथ-साथ उनके गिले-शिकवों को सुनते हुए विस चुनाव की तैयारी करने के लिए अपील की। उचाना हलके में दुष्यंत चौटाला द्वारा अपनी सक्रियता को बढ़ा दिया है। कसूहन में पत्रकार वार्ता में दुष्यंत चौटाला ने आप की बदलाव रैली पर कहा कि प्रदेश के अंदर कोई भी आकर अपने संगठन विस्तार करें। प्रदेश में राजनीति तौर पर कई दल आए है दूसरे प्रदेशों से गए भी लेकिन प्रदेश के लोगों ने एक ही बात देखी है कि हरियाणा के हितों की लड़ाई कौन लड़ सकता है। केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत द्वारा धरना दिए जाने पर बोलते हुए पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि गुरुग्राम का कचरे का जो ढेर है उसको दस साल में ये सिर्फ बोलते रहे कि कभी बिजली बनाएंगे कभी खाद बनाएंगे। आज तक नहीं उठा पाए। गुरुग्राम में जो रहने वाले लोग है उन पर इसका बहुत ज्यादा असर पड़ रहा है। प्रदेश में बढ़ रहे अपराध के मामले पर दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था है वो चार महीने में बद से बदत्तर हो चुकी है। भाजपा में सीएम बदले जाने के बाद जो बदमाश प्रदेश से चले गए थे वो वापिस आ गए है।

## राठौड़ ने संभाला राजस्थान भाजपा के नए प्रदेशाध्यक्ष का कार्यभार

**जयपुर ( हिंस )।** राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के नए प्रदेशाध्यक्ष के रूप में पदभार संभाल लिया है। शनिवार सुबह वे जयपुर एयरपोर्ट से बाइक रैली के साथ प्रदेश कार्यालय पहुंचे। यहां पूजा-पाठ के साथ उन्होंने चार्ज संभाला। पदभार ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मदन राठौड़ को मिठाई खिलाई। वहीं राठौड़ ने भी सीएम भजनलाल और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का मुंह मीठा कराया। इससे पूर्व नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और पूर्व अध्यक्ष सीपी जोशी ने एक-दूसरे का साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा सहित कई मंत्री, विधायक और पार्टी कर्यकर्ता मौजूद रहे।

## राहुल गांधी पर ईडी की रेड हुई तो भाजपा की ये होगी सबसे बड़ी भूल : बृजेंद्र सिंह

**जींद ( हिंस )।** कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने शनिवार को उचाना हलके के भगवानपुरा, डोहाना खेड़ा गांव के दौरे किए। राहुल गांधी द्वारा ईडी की रेड के बयान पर पूर्व सांसद ने कहा कि राहुल गांधी का जो बयान है वो तथ्यों पर आधारित है। ईडी पहले भी 52 घंटे उनसे पूछताछ कर चुकी है। खासतौर पर संसद में राहुल गांधी ने संसद में जो पक्ष रखा है जिस प्रकार से सरकार, पीएम नरेंद्र मोदी को असहज किया है हो सकता है कि बीजेपी अब भी अपनी पुरानी वाली मानसिकता में चल रही हो कि वो इन सबको ईडी के माध्यम से दबा सकते है। बीजेपी ऐसा करती है तो ये उनकी बहुत बड़ी भूल होगी। जिस भी प्रदेश में चुनाव होते है वहां चुनाव की पूर्व संध्या से पहले ईडी की रेड हुई है। चुनाव के दौरान रेड हुई है। नेता ही नहीं बल्कि उनके परिवार के सदस्यों को भी इसमें लपेटा गया है। एजेंसी का दुरूपयोग राजनीति कारणों की पूर्ति के लिए बीजेपी कई साल से कर रही है ये सबके सामने है। चुनाव से दो-दो महीने पहले दो सीएम को जेल में डाल दिया हो। हेमंत सोरेन कई महीनों तक जेल में रहे, अरविंद केजरीवाल को जो अब तक जमानत नहीं मिली है। हेमंत सोरेने को तो चुनाव होने के बाद जमानत मिली है। ये सारा राजनीति हथकंडा है इससे अधिक कुछ नहीं। पूर्व गृह मंत्री अनिल विज द्वारा ट्वीट करने के बाद उसे डिलीट करने के सवाल पर बृजेंद्र सिंह ने कहा कि अनिल विज सीनियर नेता है लेकिन उनकी पार्टी ही उन्हें सीरियस नहीं ले रही है। ठीक है वो ट्वीट जो करते है बयान देते हैं वो लच्छेदार देते है ताकि उन पर चर्चा हो ये भी उसी कड़ी का है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जो गारंटी कर्नाटका, तेलगांना में दी थी उनको वहां कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद लागू किया है। कांग्रेस ने जो अपना संकल्प पत्र तैयार किया है। हरियाणा का घोषण पत्र अलग से तैयार होगा। वो चीजें है जिसको लेकर कांग्रेस चुनाव में जाएगी। आप हरियाणा में राजनीति तौर पर लंबा-चौड़ा वजूद नहीं रखती।

## चिराग पासवान एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट में डालेंगे पुनर्विचार याचिका

**पटना ( हिंस )।** एससी और एसटी वर्ग में क्रीमी लेयर बनाए जाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने पुनर्विचार की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने की बात कही है। चिराग पासवान ने शनिवार को पटना में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एससी की जहां तक बात है तो उसमें ऐसी जातियां हैं, जिसका आधार छुआछूत है। इसलिए इसमें आरक्षण के अंदर आरक्षण का कोटा लाने का प्रावधान नहीं आ सकता है। इसके साथ ही क्रीमी लेयर का प्रावधान नहीं हो सकता है। चिराग ने कहा कि आज भी दलित समाज के संपन्न लोगों के साथ छुआछूत के आधार पर भेदभाव हो रहा है। दलित समाज के बड़े नाम भी हैं, जो मंदिर में जाते हैं तो मंदिर को गंगाजल से धोया जाता है। यह दर्शाता है कि भेदभाव छुआछूत के आधार पर हो रहा है। आज भी दलित समाज के लोगों को घोड़ी नहीं चढ़ने दिया जाता है। ऐसे में हमलोग इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले भी लोजपा (रामविलास) ने बयान जारी कर एससी-एसटी आरक्षण में सब कैटगरी बनाने और क्रीमी लेयर लाने का विरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट ने बीते गुरुवार को एक अहम फैसला सुनाते हुए एससी और एसटी आरक्षण में सब कैटगरी बनाने को मंजूरी दी। साथ ही राज्यों से इन वर्गों में ओबीसी की तर्ज पर क्रीमी लेयर बनाकर आर्थिक और सामाजिक रूप से संपन्न लोगों को बाहर करने की नीति बनाने के भी निर्देश दिए गए। इसके बाद से एससी एसटी आरक्षण पर देशभर में बहस छिड़ी हुई है।

## अंगदान अभियान में राजस्थान को दो राष्ट्रीय पुरस्कार आईईसी गतिविधियों के लिए राजस्थान को मिला सम्मान

SOTTO
समय : प्रात: 10 बजे

**जयपुर ( हिंस )।** अंगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर दो पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। भारतीय अंगदान दिवस के अवसर पर शनिवार को दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने राजस्थान को अंगदान जागरूकता अभियान के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रचार-प्रसार गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए बेस्ट आईईसी अवॉर्ड प्रदान किया है। समुचित प्राधिकारी डॉ. रश्मि गुप्ता एवं संयुक्त निदेशक डॉ. एसएन धौलपुरिया ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। साथ ही, मोहन फाउंडेशन जयपुर सिटीजन फोरम को सपोर्टिव एनजीओ अवार्ड से सम्मानित किया गया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने इस उपलब्धि के लिए अंगदान जागरूकता अभियान से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि राजस्थान ने अल्प समय में ही अंगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। हमारा प्रयास है कि राजस्थान इस क्षेत्र में अव्वल मुकाम हासिल करे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने भी टीम को बधाई दी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अंगदान जन जागरूकता अभियान के तहत विभिन्न स्तरों पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी का परिणाम है कि अब यह एक जनअभियान बन चुका है और राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान को पहचान मिली है। सम्मान समारोह के विशिष्ट अतिथि नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. विनोद के पॉल थे।

## दो साल के भीतर गरीबी दूर करेंगे : प्रशांत किशोर

**पटना ( हिंस )।** जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर शनिवार को मधेपुरा में पदयात्रा कर रहे हैं। दयात्रा के दौरान तेज बारिश में भी हजारों लोग प्रशांत किशोर को सुनने-मिलने के लिए आ रहे हैं। इसी बीच एक आम सभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं आपके इस प्यार का कर्ज कभी नहीं चुका पाऊंगा। आप जो आज बारिश में भीग रहे हैं, उसे विकास में बदलकर आने वाले दो बरस में आपकी गरीबी को समाप्त कर दिया जाएगा। आप प्रशांत किशोर पर भरोसा रखें। आपका आज बारिश में इस तरह से भीगना बेकार नहीं जाएगा। जन सुराज की सरकार बनने के बाद आप देखेंगे कि आपके बच्चे, जो रोजगार के लिए बाहर गए हैं, उन्हें वापस लाकर इसी बिहार में नौकरी दी जाएगी। मैं आपसे वोट नहीं मांगने आया हूं, बस यह समझाने आया हूं कि इस बार अपने बच्चों के भविष्य के लिए वोट कीजिएगा।

MINISTRY OF FINANCE
वित्त मंत्रालय

# वित्त मंत्रालय ने सरकारी बीमा कंपनियों को वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के दावों को तुरंत निपटाने दिए निर्देश

**नई दिल्ली।**

सरकार ने केरल के वायनाड में दुर्भाग्यपूर्ण भूस्खलन की घटना और भारी बारिश के मद्देनजर सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों को आपदा पीड़ितों को हर संभव मदद मुहैया कराने का निर्देश दिया है, ताकि बीमा दावों का तेजी से निपटान और भुगतान किया जा सके।

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों (पीएसआईसी) भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), नेशनल इंश्योरेंस, न्यू इंडिया एश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस को यह निर्देश दिया गया है।

सरकार ने पीएसआईसी को आपदा के पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है, ताकि बीमा दावों को शीघ्रता से संसाधित और भुगतान किया जा सके।

मंत्रालय ने कहा कि बीमा कंपनियों ने केरल के वायनाड, पलक्कड़, कोझीकोड, मलप्पुरम और त्रिशूर जिलों में सहायता के लिए संपर्क विवरण प्रदान करने के लिए विभिन्न चैनलों (स्थानीय समाचार पत्र, सोशल मीडिया, कंपनी की वेबसाइट, एसएमएस, आदि) के माध्यम से अपने पॉलिसीधारकों तक पहुंचने के प्रयास शुरू किए हैं, जहां बड़ी संख्या में दावे दर्ज किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार और वित्त मंत्रालय इस आपदा के पीड़ितों की सहायता करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि उन्हें बिना किसी देरी और परेशानी के आवश्यक सहायता मिले। वित्त मंत्रालय के मुताबिक एलआईसी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत पॉलिसीधारकों के संबंध में दावा राशि का शीघ्र वितरण करने के लिए कहा गया है। वहीं, दावों के प्रसंस्करण के लिए आवश्यक दस्तावेजीकरण में व्यापक रूप से ढील भी दी गई है, ताकि दावा राशि का शीघ्र वितरण सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा सामान्य बीमा परिषद बीमा कंपनियों के साथ समन्वय करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दावों का प्रसंस्करण और भुगतान शीघ्रता से हो और सभी बीमा कंपनियों के लिए एक पोर्टल होस्ट किया जाएगा, जिसमें प्रतिदिन दावे की स्थिति की रिपोर्ट की जाएगी।

## न्यूज ब्रीफ

### सोने की कीमतों में तेजी जारी, दिल्ली में 10 ग्राम सोना 70,850 रुपए पहुंचा

**नई दिल्ली।** देश में सोने की कीमत में शनिवार को भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 70,850 रुपए हो गई है। मुंबई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने की कीमत 70,700 रुपए प्रति 10 ग्राम और चेन्नई में 70,480 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई है। वहीं चांदी का भाव भी बढ़कर 87,300 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) हर शनिवार और रविवार को बंद रहता है। शुक्रवार को एमसीएक्स सोने का वायदा भाव 69,792 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 82,549 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ। देश के अन्य प्रमुख शहरों में सोने की कीमत इस प्रकार है- चेन्नई में 22 कैरेट सोना 64,610 और 24 कैरेट 70,480 रुपए, कोलकाता में 22 कैरेट 64,810, 24 कैरेट 70,700, गुरुग्राम में 22 कैरेट सोना 64,960, 24 कैरेट 70,850, लखनऊ 22 कैरेट 64,960, 24 कैरेट 70,850, बेंगलुरु में 22 कैरेट 64,810, 24 कैरेट 70,700, जयपुर में 22 कैरेट 64,960, 24 कैरेट 70,850, पटना 22 कैरेट 64,860, 24 कैरेट 70,750, भुवनेश्वर 22 कैरेट, 64,810, 24 कैरेट 70,700 और हैदराबाद में 22 कैरेट सोना 64,810 और 24 कैरेट सोना

### स्टेट बैंक को पहली तिमाही में 17035 करोड़ रुपये का हुआ मुनाफा

State Bank of India

**नई दिल्ली।** देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। अप्रैल-जून तिमाही में एसबीआई का मुनाफा सालाना आधार पर एक फीसदी उछलकर 17,035.16 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक को 16,884 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। एसबीआई ने शनिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि 30 जून, 2024 को समाप्त अप्रैल-जून तिमाही में एकल आधार पर उसका शुद्ध लाभ 17,035 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक को 16,884 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। बैंक के मुताबिक उसकी कुल आमदनी जून तिमाही में बढ़कर 1,22,688 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1,08,039 करोड़ रुपये रही थी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक एसबीआई ने बताया कि पहली तिमाही में बैंक की ब्याज से आमदनी बढ़कर 1,11,526 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में 95,975 करोड़ रुपये थी। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) कुल अग्रिमों में से पहली तिमाही में घटकर 2.21 फीसदी रह गईं, जो पिछले साल जून के अंत में 2.76 फीसदी थी। इसी तरह एसबीआई का शुद्ध एनपीए भी जून, 2024 में घटकर 0.57 फीसदी रह गया, जो एक साल पहले 0.71 फीसदी था।

### नेटवर्क नहीं आया तो अब कंपनी होगी जिम्मेदार, मिलेगा मुआवजा!

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, नई दिल्ली - 110 002
TELECOM REGULATORY AUTHORITY OF INDIA
MAHANAGAR DOORSANCHAR BHAWAN, JAWAHAR LAL NEHRU MARG, NEW DELHI

**नई दिल्ली।** भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने नए नियमों के तहत प्रत्येक गुणवत्ता मानक को पूरा करने में विफल रहने पर दंडात्मक राशि को 50,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया है। नियामक ने संशोधित नियमों पहुंच (वायरलाइन और वायरलेस) और ब्रॉडबैंड (वायरलाइन और वायरलेस) सेवा गुणवत्ता मानक विनियम, 2024 के तहत नियम उल्लंघन के विभिन्न पैमानों के लिए एक लाख रुपये, दो लाख रुपये, पांच लाख रुपये और 10 लाख रुपये की श्रेणीबद्ध जुर्माना प्रणाली शुरू की है। नए मानदंड तीन अलग-अलग विनियमों बेसिक तथा सेल्युलर मोबाइल सेवाओं, ब्रॉडबैंड सेवाओं, और ब्रॉडबैंड वायरलेस सेवाओं के लिए सेवा की गुणवत्ता का स्थान लेते हैं। नए नियमों के मुताबिक, किसी जिले में नेटवर्क बाधित होने की स्थिति में दूरसंचार परिचालकों को पोस्टपेड ग्राहकों के लिए किराए में छूट देनी होगी जबकि प्रीपेड ग्राहकों के लिए कनेक्शन की वैधता बढ़ानी होगी। ट्राई ने कहा कि यदि कोई ऐसी नेटवर्क गतिरोध 24 घंटे से अधिक समय तक जारी रहता है, तो सेवा प्रदाता अगले बिल में उसे जिले के पंजीकृत ग्राहकों को छूट देगा। नियामक किराये में छूट या वैधता के विस्तार की गणना के लिए कैलेंडर दिवस में 12 घंटे से अधिक की नेटवर्क बाधा अवधि को एक पूर्ण दिन के रूप में गिनेगा। हालांकि प्राकृतिक आपदा के कारण दूरसंचार सेवाएं बाधित होने की स्थिति में यह राहत नहीं मिलेगी।

### सरकारी बीमा कंपनियों को निर्देश

# वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के दावों का तुरंत करें निपटारा

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। सरकार ने केरल के वायनाड में दुर्भाग्यपूर्ण भूस्खलन की घटना और भारी बारिश के मद्देनजर सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों को आपदा पीड़ितों को हर संभव मदद मुहैया कराने का निर्देश दिया है, ताकि बीमा दावों का तेजी से निपटान और भुगतान किया जा सके। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को *एक्स* पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों (पीएसआईसी) भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), नेशनल इंश्योरेंस, न्यू इंडिया एश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस को यह निर्देश दिया गया है। सरकार ने पीएसआईसी को आपदा के पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है, ताकि बीमा दावों को शीघ्रता से संसाधित और भुगतान किया जा सके। मंत्रालय ने कहा कि बीमा कंपनियों ने केरल के वायनाड, पलक्कड़, कोझीकोड, मलप्पुरम और त्रिशूर जिलों में सहायता के लिए संपर्क विवरण प्रदान करने के लिए विभिन्न चैनलों (स्थानीय समाचार पत्र, सोशल मीडिया, कंपनी की वेबसाइट, एसएमएस, आदि) के माध्यम से अपने पॉलिसीधारकों तक पहुंचने के प्रयास शुरू किए हैं, जहां बड़ी संख्या में दावे दर्ज किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार और वित्त मंत्रालय इस आपदा के पीड़ितों की सहायता करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि उन्हें बिना किसी देरी और परेशानी के आवश्यक सहायता मिले। वित्त मंत्रालय के मुताबिक एलआईसी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत पॉलिसीधारकों के संबंध में दावा राशि का शीघ्र वितरण करने के लिए कहा गया है। वहीं, दावों के प्रसंस्करण के लिए आवश्यक दस्तावेजीकरण में व्यापक रूप से ढील भी दी गई है, ताकि दावा राशि का शीघ्र वितरण सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा सामान्य बीमा परिषद बीमा कंपनियों के साथ समन्वय करेगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दावों का प्रसंस्करण और भुगतान शीघ्रता से हो और सभी बीमा कंपनियों के लिए एक पोर्टल होस्ट किया जाएगा, जिसमें प्रतिदिन दावे की स्थिति की रिपोर्ट की जाएगी।

## स्टेट बैंक को पहली तिमाही में 17035 करोड़ रुपए का हुआ मुनाफा

**नई दिल्ली (हि.स.)।** देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। अप्रैल-जून तिमाही में एसबीआई का मुनाफा सालाना आधार पर एक फीसदी उछलकर 17,035.16 करोड़ रुपए रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक को 16,884 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। एसबीआई ने शनिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि 30 जून, 2024 को समाप्त अप्रैल-जून तिमाही में एकल आधार पर उसका शुद्ध लाभ 17,035 करोड़ रुपए रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक को 16,884 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। बैंक के मुताबिक उसकी कुल आमदनी जून तिमाही में बढ़कर 1,22,688 करोड़ रुपए हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1,08,039 करोड़ रुपए रही थी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक एसबीआई ने बताया कि पहली तिमाही में बैंक की ब्याज से आमदनी बढ़कर 1,11,526 करोड़ रुपए हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में 95,975 करोड़ रुपए थी। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) कुल अग्रिमों में से पहली तिमाही में घटकर 2.21 फीसदी रह गईं, जो पिछले साल जून के अंत में 2.76 फीसदी थी। इसी तरह एसबीआई का शुद्ध एनपीए भी जून, 2024 में घटकर 0.57 फीसदी रह गया, जो एक साल पहले 0.71 फीसदी था।

### विश्व बैंक की रिपोर्ट में दावा

## भारत को अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय के चौथे हिस्से तक पहुंचने में लगेंगे 75 साल

**नई दिल्ली।**

विश्व बैंक की 'विश्व विकास रिपोर्ट 2024: द मिडिल इनकम ट्रैप' के अनुसार, चीन को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय के एक-चौथाई तक पहुंचने में 10 वर्षों से अधिक का समय लगेगा। इस उपलब्धि को हासिल करने में इंडोनेशिया को लगभग 70 साल लगेंगे।

विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले कुछ दशकों में भारत समेत 100 से ज्यादा देशों को उच्च आय वाला देश बनने में गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय की एक चौथाई तक ही पहुंचने में करीब 75 साल लग सकते हैं।

विश्व विकास रिपोर्ट 2024: द मिडिल इनकम ट्रैप के अनुसार, चीन को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय के एक-चौथाई तक पहुंचने में 10 साल से अधिक का समय लगेगा। जबकि इंडोनेशिया को यह उपलब्धि हासिल करने में लगभग 70 साल लगेंगे।

पिछले 50 साल के अनुभव के आधार पर रिपोर्ट में कहा गया है कि देश जैसे-जैसे अमीर होते जाते हैं, वे आमतौर पर प्रति व्यक्ति सालाना अमेरिकी जीडीपी के करीब 10 फीसदी पर 'एक जाल' में फंस जाते हैं, जो कि वर्तमान समय में करीब 8,000 डॉलर के बराबर है। विश्व बैंक मध्यम आय वाले देशों को जिस राशि के आधार पर वर्गीकृत करता है, यह उसके ठीक मध्य की राशि है।

वर्ष 2023 के अंत में 108 देशों को मध्यम आय के रूप में वर्गीकृत किया गया था, जिनकी प्रति व्यक्ति वार्षिक जीडीपी (सकल घरेलू

THE WORLD BANK
IBRD • IDA

उत्पाद) 1,136 अमेरिकी डॉलर से 13,845 अमेरिकी डॉलर के बीच थी। इन देशों में छह अरब लोग रहते हैं – जो वैश्विक आबादी का 75 प्रतिशत – और इन देशों में हर तीन में से दो लोग अत्यधिक गरीबी में रहते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि तेजी से बढ़ती आबादी और बढ़ता कर्ज, भयंकर भूराजनीतिक और व्यापार घर्षण और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना आर्थिक प्रगति को गति देने की बढ़ती कठिनाई की तुलना में आगे का रास्ता और भी कठिन चुनौतियां हैं।

रिपोर्ट के अनुसार फिर भी कई मध्यम आय वाले देश अभी भी पिछली शताब्दी से एक प्लेबुक का उपयोग करते हैं, मुख्य रूप से निवेश का विस्तार करने के लिए डिजाइन की गई नीतियों पर भरोसा करते हैं। यह कार को सिर्फ पहले गियर में चलाने और इसे तेज करने की कोशिश करने जैसा है।

विश्व बैंक समूह के मुख्य अर्थशास्त्री और विकास अर्थशास्त्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंदरमित गिल ने कहा कि अगर वे पुरानी प्लेबुक के साथ चिपके रहते हैं, तो अधिकांश विकासशील देश इस सदी के मध्य तक यथोचित समृद्ध समाज बनाने की दौड़ में स्थिति खो देंगे।

## जकार्ता में एआईटीआईजीए की 5वीं संयुक्त समिति की हुई बैठक

**नई दिल्ली।**

आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौता (एआईटीआईजीए) संयुक्त समिति की 5वीं बैठक 29 जुलाई से एक अगस्त, 2024 तक इंडोनेशिया के जकार्ता में हुई। इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल और मलेशिया के निवेश, व्यापार और उद्योग मंत्रालय के उप महासचिव (व्यापार) मस्तूरा अहमद मुस्तफा ने की। इसमें सभी दस आसियान देशों और भारत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि इंडोनेशिया के जकार्ता में एआईटीआईजीए की 5वीं संयुक्त समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक में आसियान और भारत के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई, जिसमें आसियान-भारत व्यापार संबंधों को आगे बढ़ाया गया। इसकी समीक्षा से व्यापार वृद्धि के लिए नए रास्ते खुलने की उम्मीद है। एआईटीआईजीए संयुक्त समिति की अगली बैठक 19-22 नवंबर 2024 को भारत में होगी। उल्लेखनीय है कि आसियान भारत के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापार भागीदार बना हुआ है, जो भारत के वैश्विक व्यापार का लगभग 11 फीसदी है। आसियान-भारत सेवा व्यापार समझौते पर सभी पक्षों ने 13 नवंबर, 2014 को हस्ताक्षर किए थे। ये समझौता एक जुलाई 2015 को लागू हुआ था।

## कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने करोड़ों खाताधारकों के लिए नए नियम पेश किए

एसओपी वर्जन 3.0 को मंजूरी दी

अब यूएएन प्रोफाइल में सुधार के लिए दस्तावेज की जरूरत नहीं

अब डिक्लेयरेशन देकर आवेदन कर सकेंगे

**नई दिल्ली।**

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सभी पीएफ खाताधारकों के लिए पीएफ खातों में विवरण को सही करने और अपडेट करने के लिए कुछ नए नियम पेश किए हैं। ईपीएफओ ने पर्सनल जानकारी जैसे नाम, डेट ऑफ बर्थ को सही करने के लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) गाइडलाइन जारी किया है, जिसके तहत सदस्यों के प्रोफाइल को अपडेट करने के लिए एसओपी वर्जन 3.0 की मंजूरी दे दी गई है। अब इस नए नियम के बाद यूएएन प्रोफाइल में सुधार के लिए दस्तावेज देने होंगे। साथ ही डिक्लेयरेशन देकर आवेदन कर सकते हैं। ईपीएफओ ने अपने गाइडलाइन में कहा कि अक्सर देखा जाता है कि कई तरह की गलतियां होती हैं, जिसे सुधारने के लिए लोगों को बड़ी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। यह परेशानी डेटा अपडेट नहीं होने के कारण होता है। ऐसे में ये गाइडलाइन पेश की गई है। नए गाइडलाइन के मुताबिक नए निर्देश के तहत ईपीएफओ ने प्रोफाइल में होने वाले बदलावों को मेजर और माइनर श्रेणियों में बांटा है। माइनर बदलावों को संयुक्त घोषणा रिक्वेस्ट के साथ कम से कम दो जरूरी दस्तावेज पेश करने होंगे। वहीं बड़े सुधार के लिए कम से कम तीन आवश्यक दस्तावेज सबमिट करने होंगे। इसमें फील्ड कार्यालयों को सदस्यों की प्रोफाइल को अपडेट करने में ज्यादा सावधानी बरतने को कहा गया है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी या धोखाधड़ी ना हो सके। वहीं बड़े बदलावों के लिए कम से कम तीन जरूरी दस्तावेज देने होंगे। यह ध्यान रखना जरूरी है कि आधार से जुड़े बदलावों के मामले में, आधार कार्ड या एक्टिव मोबाइल नंबर से जुड़ा ई-आधार कार्ड सहायक दस्तावेज के तौर पर काफी होगा।

### भारतीय शेयर बाजार का हाल : सेसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी तेजी रही

# सेंसेक्स गिरावट के साथ 80,981 पर और निफ्टी भी गिरकर 24,717 पर बंद

**मुंबई।**

वैश्विक बाजारों के धराशायी होने की वजह से शेयर बाजार ने लगातार आठ सप्ताह की बढ़त गंवाई और शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए। साप्ताहिक आधार पर पिछले सप्ताह शेयर बाजार में एक फीसदी की तेजी देखी गई। बीते पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो भारतीय शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले कारोबारी दिन खुलते ही रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 416.62 अंक बढ़कर 81,749.34 के नए सार्वजनिक उच्च स्तर पर खुला और 23.12 अंकों की बढ़त के साथ 81,355.84 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी 50 145.6 अंक बढ़कर 24,980.45 के स्तर पर खुला और 1.25 अंक चढ़कर 24,836.10 पर बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत हरे निशान पर हुई। सेंसेक्स 112 अंक की गिरावट के साथ 81,243 पर खुला और 99.56 अंकों की बढ़त के साथ 81,455.40 पर बंद हुआ। निफ्टी 1.75 अंकों की मामूली तेजी के साथ 24,837 के स्तर पर खुला और 21.21 अंक चढ़कर 24,857.30 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 269.13 अंकों की बढ़त के साथ 81,730.98 के स्तर पर खुला और 285.94 अंकों की बढ़त के साथ 81,741.34 पर बंद हुआ। निफ्टी 82.11 अंकों की मजबूती के साथ 24,939.40 पर खुला और 93.86 अंकों की मजबूती के साथ 24,951.15 पर बंद हुआ।

शेयर बाजार
साप्ताहिक समीक्षा

वैश्विक बाजार से मिले पॉजिटिव संकेतों के दौरान गुरुवार के कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई सेंसेक्स 388 अंकों की बढ़त के साथ 82,000 का आंकड़ा पार कर पहली बार 82,129.49 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर खुला और 126.21 अंकों की बढ़त के साथ 81,867.55 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी 127 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 25,078.30 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर खुला और 59.75 अंक मजबूत होकर 25 हजार के ऊपर 25,010.90 के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई है। बीएसई सेंसेक्स लगभग 700 अंक गिरकर 81,158.99 के स्तर पर खुला और 885.60 (1.08 फीसदी) अंकों की गिरावट के साथ 80,981.95 पर बंद हुआ। निफ्टी 220 अंकों की गिरावट के साथ 24,789 पर खुला और 293.21 (1.17 फीसदी) की गिरावट के साथ 24,717.70 के स्तर पर बंद हुआ।

### अडानी समूह ने केएसके महानदी पावर के लिए लगाई ऊंची बोली

**मुंबई।** अडानी समूह अपने पोर्टफोलियो में तेजी के साथ बढ़ोतरी कर रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अडानी पावर ने दिवाला कार्यवाही के तहत चल रहे केएसके महानदी पावर के 1,800 मेगावाट के प्लांट के लिए 27,000 करोड़ रुपए की सबसे ऊंची बोली लगाई है। बोली लगाने वाली कंपनियों की लिस्ट में एनटीपीसी भी शामिल है। गौरतलब है कि अडानी पावर की तरफ से बोली की रकम से 92 प्रतिशत कर्जदाताओं की रिकवरी हो जाएगी। कंपनी के ऊपर कुल 32,240 करोड़ रुपए का कर्ज बताया जा रहा है। शुक्रवार को अडानी पावर के शेयर 1.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 726.40 रुपए के स्तर पर बंद हुआ था। पिछले 6 महीने के दौरान अडानी पावर के शेयरों की कीमतों में 33 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी ने बताया कि बैंकों को कुल 10 वित्तीय बोलियां प्राप्त हो चुकी हैं। रिपोर्ट के अनुसार अडानी पावर के अलावा कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स, कोल इंडिया, एनटीपीसी, वेदांता, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, नविन जिंदल के मालिकाना हक वाली कंपनी जिंदल स्टील एंड पावर, आईलैब इंडिया स्पेशल फंड, रश्मि मेटालिक्स और श्रीशा होल्डिंग्स है। इसी साल फरवरी में जानकारी मिली थी कि केएसके महानदी पावर के लिए एनटीपीसी ने भी बोली लगाई है। सरकार कंपनी ने 5000 करोड़ की वैल्यूएशन तय किया था। जबकि अब अडानी पावर उस वैल्यूएशन 5 गुना अधिक मूल्य अदा करने को तैयार है। तब एनटीपीसी की बोलीं की रकम की जानकारी सामने नहीं आई थी।

# केंद्र और राज्य सरकारें देती हैं ओलंपिक में मेडल विजेता खिलाड़ियों को इनाम

**नई दिल्ली।**

पेरिस ओलंपिक पर वर्तमान में पूरी दुनिया की नजर है। खेलों के इस महाकुंभ में तमाम बड़े एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। सबकी नजर ओलंपिक में गोल्ड मेडल हासिल करने पर टिकी है। भारत ने अब तक पेरिस ओलंपिक में 3 मेडल जीते हैं। तीनों ही निशानेबाजी में मिले हैं। मुंबई के निशानेबाज स्वप्निल को महाराष्ट्र सरकार की ओर से इनामी राशि देने की घोषणा की गई है। इसके बाद आपके मन में सवाल उठा रहा होगा कि एक खिलाड़ी को कितना इनाम मिलता है।

ओलंपिक में खेलना और देश के लिए मेडल जीतने का सपना हर खिलाड़ी का होता है। इस ओलंपिक में भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने ओलंपिक में इतिहास रच दिया है। एक ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय हैं। 10 मीटर एयर पिस्टल और फिर इसी के मिक्सड इवेंट में सरबजोत सिंह के साथ उन्होंने भारत के लिए कांस्य पदक जीता। आपको जानकर हैरानी होगी कि ओलंपिक में मेडल जीतने वाले एथलीट को इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की तरफ से नकद इनाम नहीं दिया जाता है। भारतीय ओलंपिक संघ भी अपने खिलाड़ियों को ओलंपिक पदक जीतने पर इनाम में पैसे नहीं देता है। ओलंपिक में मेडल विजेता खिलाड़ियों के लिए भारत सरकार ने इनामी राशि की घोषणा की है। गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ी को 75 लाख दिए जाते हैं। सिल्वर मेडल लाने वाले खिलाड़ी को सरकार की तरफ से 50 लाख जबकि देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल लाने वाले एथलीट को 30 लाख रुपये का इनाम दिया जाता है। इसके अलावा राज्य सरकार अपने खिलाड़ियों को देने वाले इनाम की घोषणा करती है।

### खिलाड़ी झाझरिया राजनीति में आजमाएंगे हाथ

**नई दिल्ली।** पद्मभूषण से सम्मानित जैवलिन थ्रोअर देवेंद्र झाझरिया रविवार को देहरादून में होने वाले अमर उजाला संवाद कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। वह पैरालंपिक में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय हैं। झाझरिया फिलहाल पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष हैं। खेल के अलावा झाझरिया राजनीति में भी सक्रिय हैं। लोक सभा चुनाव 2024 में उन्हें भाजपा ने चुरू से मैदान में उतारा था। हालांकि, उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। देवेंद्र पद्मभूषण पुरस्कार पाने वाले देश के पहले पैरा एथलीट हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### गोल्ड जीतते ही साथी खिलाड़ी ने अपनी मित्र को दिया शादी प्रस्ताव

**पेरिस।** खेलों के महाकुंभ ओलंपिक में भाग लेकर अपने देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है। स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपनी खुशी का ठिकाना नहीं रहता और इसके कुछ मिनट बाद ही आपको शादी का प्रपोजल मिल जाए खुशी दोगुनी हो जाती है। पेरिस ओलंपिक में हर दिन एक से बढ़कर एक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। इसी कड़ी में चीनी महिला खिलाड़ी ने मिक्स्ड डबल्स में गोल्ड जीता और इसके कुछ ही पल के बाद साथी खिलाड़ी की ओर से शादी का प्रस्ताव मिला, इस प्रस्ताव को वहां ना नहीं कर सकी। चीन की बैडमिंटन खिलाड़ी हुआंग या कियोंग ने पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता जिसके बाद साथी खिलाड़ी के शादी का प्रस्ताव ठुकरा नहीं सकीं। हुआंग ने झेंग सिवेई के साथ मिलकर मिश्रित युगल स्पर्धा में दक्षिण कोरिया की किम वोन हो और जियोंग ना युन को 21-8 21-11 से हराकर अपना अजेय अभियान जारी रखा। अपने गले में स्वर्ण पदक पहने हुआंग ने चीन की बैडमिंटन टीम के एक अन्य साथी लि युचेन का शादी का प्रस्ताव स्वीकार लिया। उन्होंने कहा, यह प्रस्ताव मेरे लिए हैरानी भरा था क्योंकि मैं खेलों की तैयारियों में जुटी थी। मैं ओलंपिक चैम्पियन हूं और मुझे शादी का प्रस्ताव मिला जिसकी मुझे उम्मीद नहीं थी।

### कैंची धाम पहुंचे रिंकू, बाबा नीब करौरी की पूजा-अर्चना कर लिया आर्शीवाद

**नैनीताल।** भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह शनिवार को नैनीताल स्थित कैंची धाम पहुंचे। रिंकू सिंह ने यहां बाबा नीब करौरी महाराज की पूजा-अर्चना कर आर्शीवाद लिया। रिंकू उत्तराखंड मूल के क्रिकेटर आर्यन जुयाल के साथ कैंची धाम पहुंचे और यहां आधे घंटे तक मंदिर में रहने के बाद लौट गये। कैंची धाम पहुंचने पर मंदिर समिति के प्रबंधक प्रदीप साह और ग्राम प्रधान पंकज निगल्टिया ने उन्हें बाबा से जुड़े चमत्कारों और रोमांचक किस्सों से अवगत कराया। रिंकू सिंह ने कहा कि बाबा के प्रति आस्था उन्हें कैंची धाम ले आई। यहां आकर उन्हें बहुत अच्छा लगा। इस दौरान रिंकू सिंह को अपने बीच देख कैंची धाम में मौजूद उनके प्रशंसक खुश हो गए और उन्होंने उनके साथ फोटो और सेल्फी ली।

### सात्विक-चिराग के कोच मैथियास बो ने कहा, 'कोचिंग के दिन यहीं खत्म'

BADMINTON PHOTO

**नई दिल्ली।** मैथियस बो, जिन्होंने पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को कोचिंग दी थी, ने कहा है कि उनके कोचिंग के दिन खत्म हो गए हैं और वे कम से कम अभी के लिए कहीं और कोचिंग जारी नहीं रखेंगे। लंदन ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले बो ने टोक्यो ओलंपिक से पहले भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी के साथ अपना कार्यकाल शुरू किया था। डेनमार्क के इस खिलाड़ी ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर सात्विक-चिराग को एक भावपूर्ण संदेश लिखा, जब दोनों पेरिस 2024 ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में हार गए, साथ ही उन्होंने कोचिंग से संन्यास की घोषणा भी की। बो ने लिखा, मैं खुद भी इस भावना को अच्छी तरह से समझता हूँ। हर दिन खुद को सीमा तक धकेलना, अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ आकार में रहना, और फिर चीजें वैसी नहीं होतीं जैसी आपने उम्मीद की होती हैं। मुझे पता है कि आप लोग निराश हैं, मुझे पता है कि आप भारत के लिए पदक जीतना कितना चाहते थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो सका। लेकिन आपके पास गर्व करने के लिए सब कुछ है, आपने इस ओलंपिक शिविर में कितनी मेहनत की है, चोटों से जूझते हुए, दर्द कम करने के लिए इंजेक्शन भी लिए हैं, यह समर्पण है, यह जुनून है और यह बहुत बड़ा दिल है। 43 वर्षीय बो ने लिखा, फ्रमेरे लिए, मेरे कोचिंग के दिन यहीं समाप्त हो जाते हैं, मैं भारत या कहीं और नहीं जा रहा हूँ, कम से कम अभी के लिए। मैंने बैडमिंटन हॉल में बहुत अधिक समय बिताया है और कोच बनना भी काफी तनावपूर्ण है, मैं एक थका हुआ बूढ़ा आदमी हूँ। बो ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और भारतीय बैडमिंटन संघ (बाई) को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

### पेरिस ओलंपिक-2024

# फुटबॉल में अर्जेंटीना को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा फ्रांस

**पेरिस।**

फ्रांस अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर पेरिस ओलंपिक के पुरुष फुटबॉल सेमीफाइनल में पहुंच गया। रिपोर्ट के मुताबिक, पांचवें मिनट में माइकल ओलिसे के कॉर्नर किक के बाद फ्रांसीसी स्ट्राइकर जीन-फिलिप माटेटा ने हेडर से जोरदार हमला किया, जो मैच का एकमात्र गोल साबित हुआ। अर्जेंटीना के लिए सबसे अच्छा मौका 36वें मिनट में आया जब एक क्रॉस पर गेंद गोल के सामने अनमार्क सौंगौटौ मगासा को मिली, लेकिन डिफेंडर का क्लोज-रेंज हेडर बार के ऊपर से निकल गया।

अब सेमीफाइनल में फ्रांस का मुकाबला मिस्र से होगा, मिस्त्र ने पेनल्टी में पराग्वे को हराने में कड़ी मेहनत की। ओवरटाइम में दोनों पक्षों ने 1-1 की बराबरी हासिल की, जिससे खेल शूट-आउट में चला गया।

मिस्त्र ने पेनल्टी किक में 5-4 से जीत हासिल की जब उसके गोलकीपर अला हमजा ने मार्सेलो पेरेज़ के प्रयास को मौके से बचा लिया। 71वें मिनट में डिएगो गोमेज़ के गोल के बाद पराग्वे को 1-0 से बढ़त मिलने के बाद पराग्वे को एक बेहतर मौका मिलता दिख रहा था। मिस्त्र ने धैर्य रखाकर 88वें मिनट में एडेल इब्राहिम ने जिजो की सहायता से गोल करके बराबरी कर ली।

दूसरे सेमीफाइनल में स्पेन का मुकाबला मोरक्को से होगा। फ़र्मिन लोपेज़ के दो गोल और एबेल रुइज के गोल की बदौलत स्पेन ने जापान को हराया। जापान ने दो बार पोस्ट को हिट किया और खेल के दौरान एक गोल अस्वीकार कर दिया गया। मोरक्को ने अमेरिका को 4-0 से हरा दिया। अफ्रीकी टीम ने खेल पर कड़ा नियंत्रण रखा और पूरे मैच में अमेरिकी टीम के एक शॉट के मुकाबले गोल पर आठ शॉट लगाने में सफल रही।

### महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल शूटिंग फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं मनु भाकर

शनिवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर ऐतिहासिक तीसरा ओलंपिक पदक जीतने से चूक गईं, वह महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल फाइनल में 28 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं। वह पहले विश्व रिकॉर्ड धारक (25 मीटर पिस्टल) हंगरी की वेरोनिका मेजर के साथ तीसरे स्थान पर थीं, लेकिन शूट-ऑफ सीरीज में दो अंक गंवाने के बाद हंगरी की वेरोनिका पोडियम पर पहुंच गईं। दक्षिण कोरिया की यांग जिन ने 37 अंकों (शूट-ऑफ - 4-1 के माध्यम से) के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि फ्रांसीसी निशानेबाज कैमिली जेड्रेजेवस्की को रजत मिला। शुक्रवार को महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल शूटिंग क्वालीफिकेशन में दूसरे स्थान पर रहने के बाद मनु ने चल रहे ग्रीष्मकालीन खेलों में अपने तीसरे फाइनल में प्रवेश किया था। कोई भी अन्य भारतीय निशानेबाज एक ओलंपिक में एक से अधिक फाइनल में नहीं पहुंचा है, और केवल अभिनव बिंद्रा ने तीन खेलों में भारत के लिए तीन ओलंपिक शूटिंग फाइनल में जगह बनाई है। पेरिस 2024 में दो बार पदक जीत चुकी मनु ने कुल 590 अंक हासिल किए। 22 वर्षीय मनु ने अब तक पेरिस 2024 ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में दो कांस्य पदक जीते हैं। उन्होंने प्रिसिशन राउंड में 294 और रैपिड राउंड में 296 अंक हासिल किए।

### मनु ने आपने पहले ही खेल में विरासत स्थापित कर ली है : बिंद्रा

**नई दिल्ली।** भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल निशानेबाजी स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया, जिसके बाद ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने 22 वर्षीय खिलाड़ी की सराहना की। मनु भाकर शनिवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल शूटिंग स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं। अभिनव बिंद्रा ने कहा कि मनु भाकर ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है, साथ ही उन्होंने उनकी अविश्वसनीय उपलब्धि की सराहना की है। बिंद्रा ने एक्स पर लिखा, मनु, आपने पूरे देश को अपनी असाधारण उपलब्धि के लिए खड़ा होने और तालियाँ बजाने पर मजबूर कर दिया है। तीसरा ओलंपिक पदक जीतना एक असाधारण उपलब्धि होती, लेकिन पेरिस में आपने जो हासिल किया है, वह वास्तव में यादगार है। आपकी यात्रा अथक परिश्रम और समर्पण का प्रमाण है।

# पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हुईं दीपिका कुमारी

**पेरिस।**

भारतीय तीरंदाज दीपिका कुमारी को शनिवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में व्यक्तिगत महिला तीरंदाजी स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल मैच में दक्षिण कोरिया की सुहयोन नाम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। दीपिका को लेस इनवैलिड्स में क्वार्टर फाइनल मैच में अपने दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 4-6 (2-0, 0-2, 2-0, 0-2, 0-2) से हार का सामना करना पड़ा। पहले सेट में दीपिका कुमारी ने शानदार शुरुआत की और इसे 28-26 से जीत लिया। भारतीय के तीन हिट 9, 10 और 9 थे। दीपिका ने दूसरे सेट की शुरुआत 10 के स्कोर के साथ की, लेकिन बाद में वह निरंतरता बनाए रखने में असफल रहीं और अपने दूसरे प्रयास में 6 का स्कोर किया। भारतीय तीरंदाज दूसरा सेट 25-28 से हार गईं।

महत्वपूर्ण तीसरे सेट में, दोनों तीरंदाजों ने 10 लगाकर शुरुआत की। हालांकि, दीपिका के पास आखिरी प्रयास था क्योंकि उन्होंने अपने आखिरी प्रयास में 10 मारकर तीसरा सेट 29-28 से जीत लिया।

दीपिका ने चौथे सेट की अच्छी शुरुआत करते हुए 10 का स्कोर किया लेकिन अपने दूसरे प्रयास में उन्हें 7 पॉइंटर से संतोष करना पड़ा। हालांकि भारतीय तीरंदाज ने तीसरे प्रयास में 10 का स्कोर किया, लेकिन वह कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 27-29 से सेट हार गईं। पांचवें सेट की शुरुआत से पहले दोनों तीरंदाज 5-5 की बराबरी पर थे। दीपिका ने अपने तीन प्रयासों में 9 हिट की हैट्रिक बनाई और अंतिम सेट 27-29 से हार गईं। इससे पहले दिन में, दीपिका राउंड 16 बाउट में जर्मनी की मिशेल क्रोपेन को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। दीपिका ने लेस इनवैलिड्स में राउंड ऑफ 16 मैच में अपने जर्मन प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 6-4 (2-0, 1-1, 2-0, 0-2, 1-1) से जीत हासिल की थी।

### तजिंदरपाल सिंह तूर का पेरिस ओलंपिक में अभियान समाप्त

**पेरिस।** तजिंदरपाल सिंह तूर के क्वालीफिकेशन राउंड से बाहर होने के बाद चल रहे पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की शॉटपुट स्पर्धा में भारत की चुनौती समाप्त हो गई। दो बार के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता, जिन्होंने 21.77 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ के साथ शॉटपुट में अपनी क्षमता का दावा किया, अपने खेल से दूर दिखे। शॉटपुट में अक्सर अग्रणी माने जाने वाले तूर ग्रुप ए में 15वें स्थान पर खिसक गए, उन्होंने तीन प्रयासों में 18.05 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया।

# मेडल की दौड़ में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, प्रदेश टीम में बनाएंगे जगह

**कानपुर।**

उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन और द स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) के संयुक्त तत्वावधान में राज्यस्तरीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप 2024 का आगाज शनिवार को टीएसएच में हो गया। चैम्पियनशिप के उद्घाटन के बाद से खिलाड़ियों ने अलग-अलग वर्ग की प्रतियोगिता में मेडल के लिये जोर आजमाइश शुरु कर दी। इसी राज्यस्तरीय प्रतियोगिता से प्रदेश की टीम में जगह बनाने का रास्ता तय होगा।

प्रतियोगिता का उद्घाटन शनिवार को टीएसएच के डायरेक्टर्स प्रणव अग्रवाल एवं दिव्यांशी अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो कमेटी के महासचिव व इंडिया ताइक्वांडो के कोषाध्यक्ष रजत आदित्य दीक्षित प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके बाद शुरु हुए पहले दिन के मुकाबलों में 18 किलोग्राम भार वर्ग में नोएडा के सलार सैय्यद खां ने गोल्ड अपने नाम किया। 21 किलोग्राम भार वर्ग में आगरा के अविनाश ने गोल्ड, फर्रूखाबाद के प्रिंस ने सिल्वर, जौनपुर के श्रेयांश और नोएडा के नक्श ने कांस्य पदक जीता। 23 किलोग्राम भार वर्ग में कौशांबी के उत्कर्ष ने गोल्ड, गोंडा के अयांश ने सिल्वर, कानपुर के प्रतीक और गाजियाबाद के मेहुल ने कांस्य पदक जीता। 25 किलोग्राम भार वर्ग में आगरा के मो.सैय्यद ने गोल्ड, गाजियाबाद के रिधान रस्तोगी ने रजत, बरेली के अरिहंत और मथुरा के आदित्य ने कांस्य पदक पर कब्जा किया।

27 किलोग्राम भार वर्ग में आगरा के हिमांशू ने गोल्ड, एटा के माधव ने सिल्वर, लखनऊ के मृत्युंजय और आरव ने कांस्य पर कब्जा किया। 29 किलोग्राम भार वर्ग में कानपुर के मोहित ने गोल्ड, गाजीपुर के यश ने रजत, कानपुर के शिखर और मेरठ के दार्शिक ने कांस्य पदक जीता। 35 किलोग्राम भार वर्ग में मुरादाबाद के भानू ने गोल्ड, गाजियाबाद के वेदांत ने रजत, गाजियाबाद के अथर्व और बरेली के निशंक ने कांस्य जीता। 41 किलोग्राम भार वर्ग में नोएडा के अनुज कनौजिया ने गोल्ड, रायबरेली के अब्दुल्ला ने सिल्वर, कानपुर के अरनव दुबे और कौशाम्बी के अरनव राव ने कांस्य पदक पर अपना कब्जा किया।

# दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वेस्टइंडीज के घरेलू टेस्ट मैचों के लिए रोच की वापसी, अल्जारी को आराम

**नई दिल्ली।**

केमार रोच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम में वापसी करने के लिए तैयार हैं। काउंटी चैंपियनशिप के दौरान घुटने में लगी चोट के कारण रोच को वेस्टइंडीज के हाल ही में संपन्न इंग्लैंड दौरे से बाहर होना पड़ा था। इस बीच, साथी तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ को आराम दिया गया है, जबकि विकेटकीपर-बल्लेबाज जोशुआ दा सिल्वा उप-कप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे।

मुख्य कोच आंद्रे कोली ने सीडब्ल्यूआई प्रेस विज्ञप्ति में कहा, हमने इस श्रृंखला के लिए अपने उप-कप्तान अल्जारी जोसेफ को आराम देने का फैसला किया है। अल्जारी पर हाल ही में काफी काम का बोझ रहा है, और यह ब्रेक उसे स्वस्थ होने और शीर्ष प्रदर्शन पर लौटने का मौका देगा।

ऑफ स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर केविन सिंक्लेयर टीम का हिस्सा नहीं हैं, क्योंकि वे अभी तक बाएं हाथ की हड्डी में हुए फ्रैक्चर से उबर नहीं पाए हैं। उन्हें इंग्लैंड दौरे के दौरान नॉटिंघम में मार्क वुड की गेंद पर चोट लगी थी। अनकैप्ड ऑफ स्पिनर ब्रायन चार्ल्स, तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स और बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन, जो इंग्लैंड दौरे का हिस्सा नहीं थे, को 15 सदस्यीय टीम में जगह मिली है।

सीडब्ल्यूआई के क्रिकेट निदेशक माइल्स बैसकॉम्ब ने कहा, इस टीम के लिए चयन प्रक्रिया का नेतृत्व हमारे मुख्य कोच आंद्रे कोली ने किया था, हमारी नई चयन प्रक्रिया के कार्यान्वयन के लिए लंबित है, जिसे आने वाले दिनों में लागू किया जाएगा और जल्द ही सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया जाएगा।

वेस्टइंडीज की टीम इंग्लैंड में तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला 3-0 से हारी थी और वर्तमान में सात मैचों में एक जीत के साथ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में सबसे नीचे है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट पोर्ट-ऑफ-स्पेन, त्रिनिदाद में 7 से 11 अगस्त तक और प्रोविडेंस, गुयाना में 15 से 19 अगस्त तक खेले जाएंगे।

### वेस्टइंडीज की टीम

क्रेग ब्रैथवेट (कप्तान), जोशुआ दा सिल्वा (उप-कप्तान), एलिक अथानाज़े, कीसी कार्टी, ब्रायन चार्ल्स, जस्टिन ग्रीव्स, जेसन होल्डर, कावेम हॉज, टेविन इमलाच, शमर जोसेफ, मिकाइल लुइस, गुडाकेश मोटी, केमर रोच, जेडन सील्स, जोमेल वारिकन।

### पेरिस ओलंपिक : यूएसए ने मिश्रित 4×400 मीटर में बनाया विश्व रिकॉर्ड

# चेप्टेगी ने 10,000 मीटर दौड़ में जीता स्वर्ण

**पेरिस।**

युगांडा के जोशुआ चेप्टेगी, जो तीन बार विश्व 10,000 मीटर चैंपियन हैं, स्टेड डी फ्रांस में चल रहे पेरिस 2024 खेलों के पहले ट्रैक और फील्ड फाइनल में ओलंपिक 10,000 मीटर चैंपियन बने।

जोशुआ चेप्टेगी ने 26.43.14 का ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया। सबसे तेज फिनिश करने वाले इथियोपिया के बेरिहू आरेगावी ने 26.43.44 के समय के साथ रजत जीता, जबकि यूएसए के ग्रांट फिशर ने अपनी फॉर्म को बरकरार रखते हुए 26.43.46 के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

मिश्रित 4×400 मीटर हीट में वर्नोन नोरवुड, शमीर लिटिल, ब्राइस डेडमॉन और केलीन ब्राउन की अमेरिकी चौकड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। अमेरिकी चौकड़ी ने 3.07.41 का समय लेकर एक सेकंड से अधिक अंतर से पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया - जो पिछले वर्ष बुडापेस्ट में अमेरिका द्वारा विश्व खिताब जीतने के समय बनाया गया था।

नॉरवुड ने 44.47 सेकंड में दौड़कर अमेरिकी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, फिर लिटिल ने दूसरे चरण में 49.32 सेकंड में दौड़कर बढ़त को बढ़ाया, जो प्रारंभिक दौर में किसी भी महिला का सबसे तेज़ लैप था। डेडमॉन ने तीसरे चरण में 44.17 सेकंड लिया और फिर ब्राउन ने 49.45 सेकंड लेकर अमेरिकी टीम को जीत दिलाई।

ब्राउन ने फ्रांस से तीन सेकंड से अधिक समय पहले रेखा पार की, जिसने 3.10.60 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। बेल्जियम 3.10.74 के साथ तीसरे स्थान पर रहा, जो एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

### जोकोविच फाइनल में, स्वर्ण के लिए अल्काराज से होगा सामना

**पेरिस।** सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने इटली के लोरेंजो मुसेट्टी को 6-4, 6-2 से हराकर शुक्रवार देर रात को अपने पहले ओलंपिक फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच अब स्वर्ण पदक मुकाबले में कार्लोस अल्काराज का सामना करेंगे। 37 वर्षीय खिलाड़ी को उच्च गुणवत्ता वाले मैच में लोरेंजो मुसेट्टी से कोर्ट फिलिप चैटियर पर कड़ी टक्कर मिली इस दौरान जोकोविच ने कई बार अपना परेशान भी हुए, लेकिन निर्णायक क्षणों में उन्होंने कड़ी मेहनत करके जीत हासिल की। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोकोविच अपने पिछले तीन ओलंपिक एकल सेमीफाइनल हार गए थे और स्वर्ण पदक उनके करियर का एकमात्र बड़ा मिल का पत्थर साबित होगा। रविवार को स्वर्ण पदक मुकाबले में जोकोविच का सामना स्पेन के अल्काराज से होगा, जबकि 11वीं वरीयता प्राप्त मुसेट्टी का सामना कांस्य पदक के लिए कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम से होगा।

# सिगरेट से हुक्का ज्यादा खतरनाक...

**इन** दिनों हर छोटे बड़े शहरों और मॉल्स में हुक्का बार या शीशा लाउंज पॉपुलर होते नजर आ रहे हैं। युवा हुक्के का एक कश नहीं बल्कि हजार कश लेते हुए दिखते हैं। बहुत से लोग मानते हैं कि हुक्का पीना सिगरेट पीने के मुकाबले बिल्कुल भी हानिकारक नहीं होता।

लेकिन हुक्के से खींचा गया तंबाकू का धुआं पानी से होता हुआ एक लंबे होज पाइप के जरिए फेफड़ों तक पहुंचता है। पानी के बरतन से होते हुए आने के कारण ही यह एक आम भ्रांति है कि हुक्के का धुआं हानिकारक नहीं होता। सच यह है कि हुक्के से निकलने वाला धुआं सिगरेट या बीड़ी के धुएं से अधिक घातक होता है। हुक्का पीना सिगरेट की ही तरह हानिकारक है क्योंकि दोनों उत्पाद के अंत में कार्सिनोजन लगा रहता है जो कि एक कैंसर पैदा करने वाला पदार्थ है।

हुक्के का स्वाद बदलने के लिए केवल उसमें फ्रूट सीरप मिलाया जाता है जिससे उसके फ्लेवर में बदलाव आ जाता है। इसका यह बिल्कुल भी मतलब नहीं है कि हुक्के में किसी भी प्रकार का फल मिलाया गया हो। इसलिए यह आशा न करें कि हुक्के को पी कर आपको विटामिन मिलेगा।

## शिशु को कैसे दिलवाएं डकार

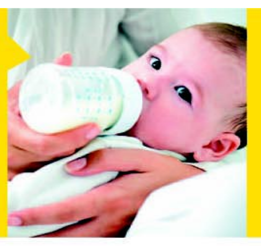

शिशु के जब बोतल से दूध पीता है तो उस दौरान हवा भी अन्दर पेट में चली जाती है। दूध की बोतल से शिशु के पेट में गई ये हवा उसे गैसी और चिड़चिड़ा बना देती है। उसके शरीर में अत्याधिक गैस और असुविधा से राहत देने के लिए डकार दिलवाने के लिए उनको आपकी सहायता की आवश्यकता है। डकार दिलवाने का सही तरीका क्या है और, ऐसा कब होता है जब शिशु को दूध पीने के बाद भी डकार नहीं आती।

# उच्च रक्तचाप वाले डाइट में करें ये परिवर्तन

**रक्तचाप** की समस्या सबसे बेकार बीमारी है। स्वास्थ्य एक्सपर्ट का कहना है कि दुर्भाग्यवश ऐसे लोगों की संख्या देश विदेश में बढ़ रही है जिन्हें उच्च रक्तचाप है। और इसे नियंत्रण में लाने का सबसे आसान तरीका है नियमित खान पान जो कारगर हो। उच्च रक्तचाप में दिल जिस वेग से खून छोड़ता है वह बड़ जाता है। अगर समय पर इसका उपाय न किया गया तो इससे कई और बीमारियां जैसे किडनी की समस्या, धमनी की समस्या और दिल का दौरा भी पड़ सकता है। कुछ लोगों के लिए यह जेनेटिक हो सकता है। पर ज्यादातर समय यह अधिक बैठे रहने वाली जीवन शैली, तनाव और एक्सरसाइज की कमी से शुरू होती है। आपको अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से कई सुझाव मिल जाएंगे कि उच्च रक्तचाप के लिए क्या अच्छा होता है और क्या बुरा। इससे आप और कंफ्यूज हो सकते हैं और कई बार आप गलत खाना खाकर रह जाते हैं। तो उच्च रक्तचाप के लिए सही डाइट क्या होनी चाहिए? अपनी जीवन शैली में बदलाव लाने और डाइट में बदलाव कर आप उच्च रक्तचाप से निजात पा सकते हैं। यहां पर आठ डाइट प्लान बताए गए हैं।

**1. खाने में नमक की मात्रा कम कर दें-** उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक नुकसान कर सकता है। ज्यादा नमक खाने से शरीर में पानी रहता है जिससे उच्च रक्तचाप हो जाता है। इसलिए ज्यादा नमक वाला खाना जैसे केचप और डिब्बाबंद पेय पदार्थ और खाने से बचना चाहिए।

**2. प्रोसेस्ड फूड न लें-** प्रोसेस्ड फूड जैसे ब्रेड, प्रोसेस्ड मीट और पैक किए हुए खाने से बचना चाहिए क्योंकि यह ब्लड प्रेशर के स्तर को बढ़ाता है।

**3. तेल कम खाएं-** जितना हो सके कम तेल का इस्तेमाल करें। तेल में फैट ज्यादा होते हैं जिससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ता है जिससे ब्लड प्रेशर का स्तर भी बढ़ता है।

**4. अल्कोहल से बचें-** शराब में खाली कैलोरीज होते हैं। ज्यादा पीने से ना सिर्फ वजन पर ब्लड प्रेशर का स्तर भी बढ़ता है। इससे रक्त धमनियां संकुचित भी हो जाती हैं।

**5. कॉफी कम पीएं-** कॉफी में कैफीन होता है जो ब्लड प्रेशर के स्तर को तुरंत बढ़ा देता है। इसलिए रोज कॉफी नहीं पीनी चाहिए। हालांकि, कभी कभार आप कॉफी पी सकते हैं।

**6. धूम्रपान न करें-** सिगरेट में निकोटीन होता है जो बुरा होता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है और धमनियां संकुचित होती हैं। उच्च रक्तचाप से बचने के लिए धूम्रपान से बचना जरूरी है।

**7. पशु उत्पाद लेना बंद कर दें-** पशु उत्पाद जैसे मीट, प्रोसेस्ड मीट, अंडा और बटर में फैट होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल तो बढ़ता ही है, साथ ही साथ रक्तचाप भी बढ़ जाता है।

**8. खाने में साबुत ग्रेन को शामिल करें-** साबुत ग्रेन में प्रचुर मात्रा में फाइबर होता है। इससे कोलेस्ट्रॉल और फैट पिघल जाता है और धमनियों में जमा नहीं होता। इससे खून आराम से धमनियों में बहता है और रक्तचाप भी काबू में रहता है।

## सिर्फ पुरुष ही क्यों होते हैं

# गंजेपन के शिकार

**आए** दिन मेट्रो, बस और अपने ऑफिस में आपको कोई ना कोई पचास साल से ऊपर गंजा इंसान दिख ही जाता होगा। क्या आपने कभी नोटिस किया है कि केवल आपको गंजे पुरुष ही दिखने को मिलते हैं। गंजी महिलाएं आपने शायद ही देखी हो, और जो देखी भी होगी वे किसी न किसी बीमारी के कारण हुई होंगी।

क्या आपने कभी सोचा है कि केवल पुरुष ही क्यों गंजेपन का शिकार होते हैं? तो इसका जवाब इस लेख में जानिए। पुरुषों की तरह महिलाओं के भी बाल झड़ते हैं। जबकि महिलाएं शायद ही कभी गंजेपन की शिकार होती हैं। दुनिया में केवल इंसान ही जिनके बाल आते हैं और केवल इंसान ही है जो गंजेपन का शिकार होता है। इंसानों में भी केवल पुरुष ही है जो गंजा होता है। कई बार माना जाता है कि बाल तनाव के कारण झड़ते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या महिलाओं में तनाव नहीं होता?

वहीं कई बार पोषण की कमी भी बालों का झड़ना माना जाता है। अगर ऐसा है तो महिलाएं ज्यादा कुपोषित होती है और अच्छी से अच्छी खाते-पीती घर की महिलाओं में हीग्लोबिन की कमी होती है। ऐसे में तो फिर महिलाओं के बाल ज्यादा झड़ने चाहिए। लेकिन नहीं, बाल केवल पुरुषों के झड़ते हैं और वे ही गंजे होते हैं।

### टेस्टोस्टेरॉन हार्मोन जिम्मेदार

शरीर पर बाल हार्मोनल बदलावों के कारण उगते हैं और वे झड़ते भी हार्मोस में बदलाव के कारण ही हैं। ऐसे में बालों का आना और जाना मनोविज्ञान या रसायनविज्ञान की जगह जीवविज्ञान का विषय है। गंजेपन पर रिसर्च कर रहे नॉर्वे की बर्गेन यूनिवर्सिटी के जीव वैज्ञानिकों ने इसके लिए टेस्टोस्टेरॉन नाम के यौन हॉर्मोन को जिम्मेदार ठहराया है। यह पुरुषों में स्रावित होने वाले एंड्रोजन समूह का स्टेरॉयड हार्मोन है जिसके कारण पुरुषों में बाल झड़ने की समस्या पैदा होती है। दरअसल इंसान के शरीर में कुछ एंजाइम ऐसे होते हैं जो टेस्टोस्टेरॉन को डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरॉन में बदल देते हैं। यही डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरॉन के कारण बाल पतले और कमजोर हो जाते हैं। सामान्यतौर पर हार्मोस में यह बदलाव करने वाले एंजाइम एक इंसान में उसे उसके जींस से प्राप्त हुए होते हैं। इसी कारण गंजेपन को आनुवांशिक भी माना जाता है।

### फिर महिलाएं क्यों नहीं होती गंजी

ऐसे में सवाल वही रह जाता है कि महिलाएं क्यों नहीं पूरी तरह से गंजी होतीं? इसका जवाब टेस्टोस्टेरॉन हार्मोन में ही छुपा है। दरअसल ये एक मेल हार्मोन है जो पुरुषों में ही पाया जाता है। ये पुरुषों की तुलना में महिलाओं में नाम मात्र के लिए स्रावित होता है। और जब ये महिलाओं में अधिक स्रावित होता है तो महिलाओं में अनचाहे बालों की अधिक मात्रा में आने की समस्या पैदा होती है। इसलिए महिलाओं में टेस्टोस्टेरॉन नाममात्र के लिए स्रावित होते हैं और इसके साथ एस्ट्रोजन नाम के हार्मोन का भी स्राव होता है। जिस कारण महिलाओं के शरीर में टेस्टोस्टेरॉन के डिहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन बदलने की प्रक्रिया कम होती है। जिस कारण महिलाओं में बाल कम झड़ते हैं। और जब यही प्रक्रिया कभी गर्भावस्था या मेनोपॉज़ में बढ़ जाती है तो बाल झड़ने की समस्या उत्पन्न होती है। इसलिए अक्सर महिलाओं को गर्भावस्था और मेनोपॉज में बाल झड़ने की समस्या होती है।

# प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क का इस्तेमाल बेहतर

**अक्सर** लोग प्रदूषण और डस्ट से बचने के लिए मुंह पर स्कार्फ या रूमाल बांधते हैं। इसके पीछे हमारा उद्देश्य धुएं, धूल मिट्टी आदि को अंदर जाने से रोकना होता है। इस सब के बाद हम यह मान बैठते हैं कि प्रदूषण हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकता लेकिन यह हमारी गलतफहमी होती है। वैज्ञानिकों के अध्ययन मुताबिक इस तरह के कपड़े कुछ हद तक ही प्रदूषण से बचाव करते हैं, जबकि इनकी तुलना में बाजार में मिलने वाले मास्क कहीं बेहतर होते हैं। शोधकर्ता रिचर्ड पेल्टियर के अनुसार प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क पहनने वाले लोग अपने आपको सुरक्षित महसूस करते हैं, लेकिन चिंता इस बात की है कि यदि वे किसी डीजल ट्रक के सामने खड़े हो जाएं तो क्या वे सुरक्षित हैं।

शोधकर्ताओं के दल ने नेपाल में चार प्रकार के मास्क का परीक्षण किया जिनमें कपड़े से निर्मित मास्क का प्रदर्शन बेहतर रहा और यह 80-90 फीसदी कृत्रिम कणों तथा डीजल गाड़ियों से निकलने वाले लगभग 57 फीसदी हानिकारक कणों को दूर रखने में सक्षम रहा। वहीं, मास्क के रूप में इस्तेमाल में लाया गया रुमाल या स्कार्फ 2.5 माइक्रो मीटर से कम आकार के कणों से बचाने में बेहद सीमित तौर पर लाभकारी साबित हुआ, जो बड़े कणों की तुलना में अधिक हानिकारक है, क्योंकि वे फेफड़े की गहराई तक पहुंच जाते हैं। अध्ययन यह दर्शाता है कि लोगों को यह पता होना चाहिए कि रुमाल या स्कार्फ बेहद सीमित रूप से उनका बचाव करते हैं। लेकिन बात तो यही है कि कुछ नहीं से अच्छा कुछ तो है।

# भूल कर भी न मारें बच्चों के सिर पर थप्पड़

**बच्चों** के शरारत करने पर अक्सर माता पिता सिर पर थप्पड़ मार देते हैं। लेकिन क्या आपने सोचा है कि वह थप्पड़ आपके बच्चे पर कितना भारी पड़ सकता है। जानिए कैसे एक थप्पड़ आपके बच्चे का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। आमतौर पर माता-पिता गुस्से में बच्चे सिर पर थप्पड़ लगा देते हैं। लेकिन एक शोध में इस बात का खुलासा हुआ है कि वह एक थप्पड़ आपके बच्चे के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। बच्चों के सिर के पीछे थप्पड़ मारने से उनमें मानसिक समस्याओं का जोखिम बढ़ता है। यही नहीं संज्ञानात्मक क्षमताओं (कॉग्नेटिव एबिलिटी) भी कम होती है। 50 साल के लंबे शोध से पता चला है कि बच्चे के सिर पर थप्पड़ मारने से उसके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। इस दौरान उन्होंने करीब 1,60,000 बच्चों के जीवन का आंकलन किया। माता-पिता अक्सर ये सोचते हैं कि थप्पड़ मारने से उनके बच्चे सुधर जाएंगे, ये धारणा बिल्कुल गलत है क्योंकि इस तरह का व्यवहार बच्चों को लंबे समय तक नहीं सुधार सकता है।

## घरेलू नुस्खों से मिल सकता है आराम

# अब किडनी स्टोन के दर्द से मिलेगी राहत

*किडनी में पथरी या स्टोन के दर्द को बर्दाश्त करना काफी मुश्किल होता है, कोई भी व्यक्ति इस दर्द को ज्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं कर सकता है इसलिए कई डॉक्टर दवाइयां देकर इसे यूरीन के रास्ते बाहर निकालने की कोशिश करते हैं। अगर पथरी ज्यादा बड़ी हो तो डॉक्टर को ऑपरेशन करना पड़ता है, लेकिन अगर आप भी किडनी के स्टोन के दर्द से परेशान हैं तो कुछ घरेलू उपाय अपनाकर किडनी के स्टोन से राहत पा सकते हैं।*

### कैल्शियम से भरपूर खाना

तुलसी के पत्तों का सेवन करने से किडनी के स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। तुलसी के पत्तों को चबाना, तुलसी की चाय बनाकर पीना, तुलसी के रस में शहद मिलाकर पीने से स्टोन से राहत मिलती है। किडनी में स्टोन की समस्या से राहत पाने के लिए कैल्शियम युक्त भोजन का सेवन करना चाहिए, जो स्टोन को तोड़ने और बाहर निकालने में मदद करते हैं। दूध, मक्खन, तरबूज का सेवन करना लाभकारी साबित हो सकता है।

### नींबू, ओलिव ऑयल और पानी

नींबू का रस चौथाई कप निकालकर उसमें उतना ही ओलिव आयल मिलाकर इसका सेवन करने के बाद पानी पीना चाहिए। दिन में 2 बार ऐसा करने से किडनी स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। किडनी में स्टोन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए दिन में कम से कम 10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। ज्यादा पानी पीने से किडनी में से स्टोन यूरीन के रास्ते बाहर निकल जाता है।

### अनार और अजवाइन भी फायदेमंद

फलों का सेवन करना वैसे भी हमारी सेहत के लिए लाभकारी होता है, लेकिन स्टोन की समस्या होने पर अनार या अनार का जूस पीने से स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। वहीं अजवाइन का सेवन करने से पेट संबंधित कई रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है, लेकिन किडनी में स्टोन होने पर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

# लहरों के बीच बना सकते हैं बेहतर भविष्य

आजकल के बच्चे काफी सोच समझकर अपने कॅरियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन कई बच्चों को समुद्र की लहरों के बीच राफ्टिंग करना बेहद पंसद होता हैं अगर वो चाहें तो इस हॉबी को रोजगार का साधन भी बना सकते हैं, लेकिन इस कॅरियर की शुरुआत सिर्फ साहसी लोग ही कर सकते हैं और इसके लिए शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना बेहद जरूरी है।

### प्रमुख संस्थान...

- इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन, नई दिल्ली
- हिमालयन रिवर रनर्स, नई दिल्ली

### कैसे करें शुरुआत...?

राफ्टिंग का 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स कई संस्थानों द्वारा करवाया जाता है। सबसे पहले प्रार्थी की शारीरिक जांच करने के बाद उसको राफ्टिंग गाइड के साथ खतरनाक राफ्टिंग ट्रैक पर भेजा जाता है। ट्रेनिंग के दौरान रॉफ्टिंग उपकरणों के प्रयोग करने के बारे में समझाया जाता हैं और साथ ही यह जानकारी भी दी जाती हैं कि नदी में पानी के बहाव, उसकी गहराई की कैसे जांच करनी हैं। राफ्टिंग का सारा प्रशिक्षण लेने के बाद आप राफ्टिंग गाइड भी बन सकते हैं और पर्यटकों को राफ्टिंग का सफर करवा सकते हैं। हालांकि ये कॅरियर कमजोर दिलवालों के नहीं, बल्कि मजबूत इरादे वालों के लिए है। इसलिए ये कॅरियर चुनते समय आप ये डिसाइड कर लें कि कहीं आपको पानी से डर तो नहीं लगता।

## रेसिपी

### हर्बड़ पनीर पराठा

#### सामग्री

मिक्स करके ताजा हर्बड़ भरावन बनाने के लिए: 1/4 कप बारीक कटी हुई सोआ भाजी, 1/4 कप बारीक कटा हुआ पुदिना, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 कप कसा हुआ पनीर, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक , स्वाद अनुसार, **अन्य सामग्री**: 4 आधी-सेकी हुई गेहूं की रोटियां, **पकाने के लिए**: तेल, **परोसने के लिए**: ताजा लो-फैट दही

#### विधि

हर्बड़ भरावन के मिश्रण को 4 बराबर भागों में बांटिए और एक तरफ रख दीजिए। एक आधी सेकी हुई रोटी को साफ सूखी सतह पर रखकर, भरावन मिश्रण के एक भाग को रोटी के आधे हिस्से पर रखिए और रोटी का दूसरा आधा हिस्सा मिश्रण के उपर मोड़ दीजिए। एक नॉन-स्टिक तवे को गरम करके, उस पर पराठा रखकर, ½ टी-स्पून तेल की मदद से, पराठे को दोनो तरफ सुनहरा से होने तक सेकिए। बाकी बची रोटियां और भरावन मिश्रण से 3 और पराठे बनाइए। ताजे लो-फैट दही के साथ गरमा गरम परोसिए।

### राजस्थानी पुलाव

#### सामग्री

3 कप पके हुए चावल, 2 कप बेसन, एक कप दही, 5 आलू, 5 प्याज लम्बाई में कटे हुए, एक बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 4 हरी मिर्च, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 2 छोटे चम्मच गरम, मसाला पाउडर 2 लौंग, एक चुटकी हींग, आधा छोटा चम्मच अजवायन, एक छोटा चम्मच राई, ड्राइ फ्रूट्स, लाल मिर्च पाउडर, नमक, तेल, बारीक कटी धनिया

#### विधि

बेसन को बर्तन में छानकर इसमें थोड़ा लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, थोड़ा नमक और दही डालकर मिक्स करके गूंद लें। गुंदे हुए बेसन से छोटी-छोटी लोई बनाएं। अब लोई को लंबा करके रोल्स तैयार करें। गैस पर बर्तन में पानी गर्म करें। इसमें बेसन के रोल्स डालकर मध्यम आंच पर 10 मिनट तक पकाएं। गैस बंद करके रोल्स को पानी से निकाल लें और इन्हें एक इंच मोटे टुकड़ों में काट लें। बेसन के गट्टे तैयार हैं। अब कड़ाही में तेल गर्म करें। इसमें लौंग, हींग और राई डालकर तड़का लगाएं। इसके बाद तेल में प्याज डालकर फ्राई करें। जब प्याज सुनहरे हो जाएं तो इसमें हरी मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर 2 मिनट मध्यम आंच पर पकाएं। अब हल्दी, लाल मिर्च, गरम मसाला पाउडर और नमक ड्राइ फ्रूट्स डालकर एक मिनट पकाएं। इसके बाद चावल और बेसन के गट्टे डालकर चलाएं। अब चावल को 2 मिनट मध्यम आंच पर पकाएं इसके बाद गैस बंद कर दें और चावल को एक मिनट के लिए ढक दें। राजस्थानी गट्टे वाला पुलाव तैयार है। इसे हरी धनिया से गार्निश करके दही या रायते के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**